Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक sanjeevnitoday.com
संजीवनी टुडे
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्षः 11 अंकः 140 जयपुर, सोमवार, 04 नवम्बर 2024 पृष्ठः8 मूल्यः '1.50

घाटशिला में हेमंत पर बरसे अमित शाह

कांग्रेस और हेमंत की सरकार घुसपैठियों को दे रही शह, इन्हें छोड़ेगें नहीं

■ संजीवनी टुडे

रांची। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। घाटशिला में रविवार को अपनी पहली जनसभा में उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आई तो घुसपैठियों को छोड़ेंगे नहीं। कांग्रेस और हेमंत सोरेन की सरकार इनको शह दे रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की बहन-बेटियों के साथ घुसपैठियों ने जो अन्याय किया है, उसे रोकने में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के गठबंधन की सरकार नाकाम रही है। घुसपैठियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अब चैन की नींद लेना बंद कर दो, जमीन हड़पना बंद कर दो। झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी और हम कानून बनाकर झारखंड के भोले-भाले आदिवासियों को उनकी जमीन वापस कराएंगे। ऐसा कानून बनाएंगे कि उसे पिछली तारीख से लागू किया जाए। घाटशिला के बाद हजारीबाग के बरकट्ठा में सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं की सुरक्षा के साथ-साथ युवाओं के रोजगार के मुद्दे को उठाया। रोजगार पर उन्होंने कहा कि राज्य में पेपर लीक हो रहे हैं। ये कौन कर रहा है। सीएम हेमंत के चट्टे-बट्टे की इस काम में लगे हुए हैं। कहा कि राज्य में नौकरी की उम्मीद में 17 युवा जान गंवा दिए, लेकिन इनके चेहरे पर शिकन तक नहीं आई।

महिलाओं को हर माह 2100, 300 यूनिट फ्री बिजली का ऐलान

इससे पहले रांची में सुबह भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। खास बात है कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को ध्यान में रखकर 150 संकल्प जारी किया गया है। इसमें 300 यूनिट बिजली फ्री, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और सवा करोड़ घरों को सोलर ऊर्जा से जोड़ने का ऐलान किया किया गया है। साथ ही महिलाओं को गोगो दीदी योजना के तहत हर माह 2100 रुपए देने का वादा किया गया है। संकल्प पत्र केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जारी किया। हेमंत सोरेन की ओर से एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए मांगे जाने पर कहा कि जब केंद्र में यूपीए की सरकार थी तब राज्य को कितना मिला था, यह पता करने वाली बात है। इस दौरान उन्होंने जनता को भाजपा की योजनाओं से भी अवगत कराया। संकल्प पत्र को जारी करते हुए अमित शाह हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि ये संकल्प पत्र लोगों की उम्मीदों को पूरा करेगा। हमरा ट्रैक रिकार्ड है, जो हम कहते हैं वो करते हैं। यह चुनाव झारखंड के भविष्य का चुनाव है।

घाटशिला से 11 और बहरागोड़ा से 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से कुल 11 प्रत्याशी मैदान में है। जबकि, बहरागोड़ा से 15 प्रत्याशी मैदान में है। घाटशिला में मुख्य रूप से जेपीपी पार्टी से सूर्य सिंह बेसरा, भाजपा से बाबूलाल सोरेन और झामुमो से रामदास सोरेन खड़े हैं। वहीं, बहरागोड़ा विधानसभा सीट से भाजपा से दिनेशानंद गोस्वामी, झामुमो से समीर कुमार मोहंती समेत अन्य अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। अमित शाह पार्टी से बगावत करने वाले नेताओं को मनाने का प्रयास करेंगे। बागियों ने चुनावी मैदान में बीजेपी के बड़े चेहरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जमशेदपुर पूर्वी से शिवशंकर सिंह चुनावी मैदान में है। शिवशंकर को भी बीजेपी ने मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने नाम वापस लेने से इनकार कर दिया। शिवशंकर ने कहा कि हमारी लड़ाई बीजेपी से नहीं, बल्कि परिवारवाद और भाई-भतीजावाद के खिलाफ है। वहीं, गणेश महली सरायकेला विधानसभा क्षेत्र से जेएमएम के उम्मीदवार है। यहां से बीजेपी ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को उम्मीदवार बनाया है। गणेश महली ने बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर सरायकेला सीट पर जेएमएम प्रत्याशी रहे चंपाई सोरेन को दो बार कड़ी टक्कर दी थी, पर जीत नहीं सके थे। पहले फ़ेज के लिए 9 दिन प्रचार के है। इस दौरान प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री के अलावा कई केंद्रीय मंत्रियों, छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्यों के डिप्टी सीएम की सभाएं होंगी।

टीडीपी नेता बोले- सीएम नायडू की मानसिकता धर्मनिरपेक्ष

मुसलमानों को नुकसान हो ऐसा विधेयक लागू नहीं होने देंगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। तेलुगु देशम पार्टी के नेता नवाब जान कहा कि आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू धर्मनिरपेक्ष मानसिकता वाले व्यक्ति हैं। वे हमारे सीएम भी हैं। वे मुसलमानों को नुकसान पहुंचाने वाले विधेयक को लागू नहीं होने देंगे। जान ने ये बात वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को लेकर ये बात कही। जान ने कहा- चंद्रबाबू हमेशा कहते रहे हैं कि उनकी दो आंखें हैं- एक हिंदू और एक मुस्लिम, नायडू कहते हैं कि एक आंख को नुकसान पहुंचाने से पूरे शरीर पर असर पड़ता है और हमें विकास के पथ पर आगे बढ़ते समय इसे ध्यान में रखना चाहिए। रविवार को जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में संविधान बचाओ सम्मेलन आयोजित किया था। कार्यक्रम में संबोधन के जान ने लोगों से वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को संसद में पारित होने से रोकने के लिए एकजुट होने की बात कही। चंद्रबाबू धर्मनिरपेक्ष मानसिकता वाले व्यक्ति हैं। ऐसे ही व्यक्ति हमारे मुख्यमंत्री हैं (वे) मुसलमानों को नुकसान पहुंचाने वाले विधेयक को लागू नहीं होने देंगे। नायडू के शासन में मुसलमानों को बहुत लाभ मिले नवाब जान ने कहा कि देश की आजादी के बाद से नायडू के

शासन में मुसलमानों को जो लाभ मिले वे अभूतपूर्व हैं। उन्होंने दावा किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजना नायडू की वजह से ही संभव हो सका। उन्होंने कहा कि नायडू ने कुछ दिन पहले कहा था कि चाहे वह मुस्लिम संस्थान हो या हिंदू संस्थान या ईसाई संस्थान, उसमें एक ही धर्म के लोग होने चाहिए। जान ने कहा कि हम सब कुछ बर्दाश्त करेंगे, लेकिन देश की एकता को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जमीयत ने कहा- वक्फ बिल पास हुआ तो जेडीयू-टीडीपी भी जिम्मेदार जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा- अगर वक्फ बिल पास होता है तो टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार जिम्मेदारी से नहीं बच पाएंगे।

प्रियंका के साथ वायनाड पहुंचे राहुल गांधी: बोले

अब प्रियंका आपकी बहन, बेटी और मां भी, वह आपकी सबसे अच्छी सांसद होंगी

■ संजीवनी टुडे

वायनाड। राहुल गांधी आज वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए बहन प्रियंका गांधी के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंचे। राहुल ने कहा कि, 'मैं पहली बार अपनी बहन के लिए प्रचार करने आया हूं, अब तक वही मेरे लिए प्रचार करती थी। मै जब यहां सांसद रहा तो आपकी बहन, बेटी या मां नहीं बन सका। लेकिन अब मेरी बहन ये तीनों भूमिकाएं निभाएंगी।' प्रियंका ने मोदी सरकार पर निशाना लगाते हुए कहा, 'मोदी जी का मकसद आपको बेहतर जीवन देना, नई नौकरियां, बेहतर स्वास्थ्य या शिक्षा देना नहीं है। वे बस किसी भी तरह से सत्ता में बने रहना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने गांधी परिवार की पारंपरिक रायबरेली सीट को चुना था। वायनाड में प्रियंका का मुकाबला भाजपा की नव्या हरिदास और वामपंथी उम्मीदवार सत्यन मोकेरी से है। संविधान गुस्से या नफरत से नहीं लिखा गया था। इसे उन लोगों ने लिखा था जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, जिन लोगों ने कष्ट झेले, जिन्होंने सालों-साल जेल में बिताए और उन्होंने संविधान को विनम्रता, प्रेम और स्नेह के साथ लिखा। यह आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई है। और अगर आप वाकई इस

लड़ाई को जीतना चाहते हैं, तो आपको अपने दिल से गुस्सा निकालकर, नफरत को हटाकर और उसकी जगह प्यार, विनम्रता और करुणा लाकर मदद करनी चाहिए। पिता राजीव गांधी की हत्या में शामिल लड़की नलिनी से मिलने के बाद वह भावुक हो गई थीं। उसने मुझसे कहा था कि उसे नलिनी के लिए बुरा लग रहा है। यही तालीम उसे मिली है। मेरे हिसाब से, भारत में नफरत की राजनीति नहीं, बल्कि प्यार और स्नेह की राजनीति की जरूरत है। नामांकन भरते समय कहा था- पहली बार अपने लिए समर्थन मांग रही प्रियंका ने 23 अक्टूबर को वायनाड सीट के लिए नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था- जब मैं 17 साल की थी, तब मैंने पहली बार पिता के लिए 1989 में कैंपेन किया था।

पहली बार खुद के लिए समर्थन मांग रही हूं

तब से इन 35 साल के दौरान मां, भाई के लिए वोट मांगें। अब पहली बार खुद के लिए समर्थन मांग रही हूं। राहुल गांधी ने भी कहा था कि वायनाड देश का ऐसा क्षेत्र है जहां से 2 सांसद हैं। एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। दोनों वायनाड के लिए काम करेंगे। राहुल ने कहा था- वायनाड का दौरा करता रहूंगा 17 जून को वायनाड सीट छोड़ते वक्त राहुल ने कहा था- वायनाड और रायबरेली से मेरा भावनात्मक रिश्ता है। मैं पिछले 5 साल से वायनाड से सांसद था।

श्रीनगर के संडे मार्केट में ग्रेनेड ब्लास्ट, 12 घायल

उमर बोले- हमलों से परेशान हूं; कल यहीं सेना ने एक आतंकी को मार गिराया था

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के नजदीक संडे मार्केट में रविवार को ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। इसमें 12 लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद हमलावरों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। घायलों की संख्या बढ़ सकती है। श्रीनगर में पिछले 2 साल में यह दो दिन में लगातार दूसरी आतंकी वारदात है। 2 नवंबर को खान्यार इलाके में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। एक घर में 2 से 3 आतंकी छिपे थे। सेना ने घर को बम से उड़ा दिया। इसमें एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया था। घटनास्थल से आतंकी की बॉडी और गोला-बारूद बरामद किए गए। हालांकि इस मुठभेड़ में 4 जवान भी घायल हुए थे। शनिवार को अनंतनाग में भी सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को ढेर किया था। एक की पहचान जाहिद राशिद के रूप में हुई। वहीं दूसरा अरबाज अहमद मीर था। दोनों को पाकिस्तान में ट्रेनिंग मिली थी। श्रीनगर ग्रेनेड ब्लास्ट में एक बुजुर्ग घायल हो गया। उन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया। एक महिला और पुरुष भी हमले में घायल हैं। इन्हें भी एडमिट कराया गया है।

हमलावरों की तलाश जारी है

सेना की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। हमलावरों की तलाश जारी है। ग्रेनेड अटैक के बाद इलाके में भारी सुरक्षाबल तैनात किया गया है। संडे मार्केट इलाके की आसपास की सड़कों पर पुलिस बैरेकेडिंग की गई है। सीएम अब्दुल्ला बोले- निर्दोषों पर हमले का कोई औचित्य नहीं घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, ''पिछले कुछ दिनों से घाटी के कुछ हिस्सों में हमलों और मुठभेड़ की खबरें सुर्खियों में हैं। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द लगातार हो रहे हमलों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि लोग बिना किसी डर के अपना जीवन जी सकें। एलजी सिन्हा बोले- नागरिकों को निशाना बनाने पर आतंकियों को भारी कीमत चुकानी होगी एलजी मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में ग्रेनेड हमले के बारे में डीजीपी नलिन प्रभात और सुरक्षा एजेंसियों के सीनियर अधिकारियों से बात की। सिन्हा ने कहा, नागरिकों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सुरक्षा एजेंसियां आतंकी संगठनों और उनके मंसूबों को कुचलने के लिए पूरी तरह से आजाद हैं। डिप्टी सीएम ने घायलों से मुलाकात की उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, कैबिनेट मंत्री सकीना इटू और सोनावारी के विधायक हिलाल अकबर लोन श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचे।

राजस्थान स्टेट डेंटल कौंसिल चुनाव पर विवाद

■ संजीवनी टुडे

कौंसिल अध्यक्ष बोले- मिलीभगत करके नामांकन किए खारिज; चुनाव अधिकारी ने कहा- निष्पक्ष हुए

जयपुर। राजस्थान स्टेट डेंटल कौंसिल के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कार्यकारी सदस्यों के लिए पिछले दिनों हुए चुनाव पर विवाद शुरू हो गया। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. विकास जैफ और उनके पैनल के सदस्यों ने चुनाव में धांधली होने और अपने पक्ष के लोगों को कौंसिल में जीताने के लिए नामांकन पत्र खारिज करने का आरोप लगाया है। दरअसल ये चुनाव प्रक्रिया 29 अक्टूबर को जयपुर के एक निजी होटल में हुई। चुनाव मीटिंग की चेयरमैन डॉ. अंजलि कपूर और चुनाव अधिकारी डॉ. संकल्प मित्तल की मौजूदगी में ये चुनाव करवाए। इसमें वर्तमान अध्यक्ष डॉ. विकास जैफ और उनके पैनल के 5 सदस्यों के नामांकन पत्र (प्रस्तावक एवं अनुमोदक एक ही होने की वजह से) खारिज कर दिए। डॉ. जैफ ने नामांकन पत्रों के खारिज होने पर कड़ी आपत्ति जताई और चुनाव अधिकारी डॉ. मित्तल पर आरोप लगाया कि उन्होंने नियम विरुद्ध एवं मनमाने तरीके से उनका एवं उनके पैनल के सदस्यों का नामांकन खारिज किया, जबकि अध्यक्ष पद के दूसरे उम्मीदवार डॉ. एच.एल. गुप्ता का नामांकन नियमानुसार खारिज होना चाहिए था। क्योंकि डॉ. गुप्ता के नामांकन पत्र पर चुनाव मीटिंग की चेयरमैन डॉ. अंजलि कपूर प्रस्ताव बनी। चुनाव अधिकारी डॉ. संकल्प मित्तल का इस मामले में कहना है- चुनाव बिल्कुल निष्पक्ष करवाए है। एक ही व्यक्ति एक से अधिक उम्मीदवार (चाहे किसी भी पद पर लड़ रहे हो) का प्रस्तावक एवं अनुमोदक नहीं बन सकता है। अगर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सरकार को शिकायत कर सकता है। मैंने चुनाव करवाने के बाद रिजल्ट जारी करके सरकार को भिजवाए दिए है, सरकार ही अंतिम निर्णय करने के लिए सक्षम है। डॉ. मित्तल ने बताया कि डॉक्टर अंजली कपूर इन चुनाव में वोटर है और इस नाते वह प्रस्ताव बन सकती है। उनके साथ ही बत्तमिजी की शिकायत भी उन्होंने मुझे दी है।

उदयनिधि स्टालिन बोले- तमिल फिल्म इंडस्ट्री में अरबों का रेवेन्यू

उत्तर भारत में किसी भाषा की फिल्म इंडस्ट्री हमारे जितनी नहीं

■ संजीवनी टुडे

कोझिकोड। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने साउथ और नॉर्थ इंडिया की फिल्म इंडस्ट्री की तुलना की है। उन्होंने कोझिकोड में आयोजित साहित्य महोत्सव में कहा- बॉलीवुड के अलावा किसी भी उत्तरी भारत के राज्य में दक्षिण भारत की तरह फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। ये कार्यक्रम 2 नवंबर को हुआ था। उदयनिधि ने कहा- तमिल फिल्म इंडस्ट्री अब अरबों डॉलर का रेवेन्यू जनरेट कर रही है। केरल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा भी फल-फूल रहा है। लेकिन क्या उत्तर भारत में किसी भाषा की फिल्म इंडस्ट्री हमारे जितनी है? इसका उत्तर है 'नहीं'। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड ने उत्तरी राज्यों के छोटे फिल्म उद्योगों को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। मुंबई में अब बड़े पैमाने पर हिंदी फिल्में बनती हैं, जबकि मराठी, भोजपुरी, बिहारी, हरियाणवी और गुजराती सिनेमा को बहुत कम तवज्जो मिलती है। कई उत्तरी राज्यों में तो अपना खुद की फिल्म इंडस्ट्री भी नहीं है। 1950 के दशक को याद करते हुए उदयनिधि ने कहा कि तमिल सिनेमा उस समय काफी हद तक संस्कृत वाला था। मुख्य रूप से हाई क्लास और संपन्न दर्शकों के लिए सुलभ था। बीजेपी ने कहा- उदयनिधि को जानकारी नहीं तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष एन तिरुपति ने कहा कि उदयनिधि असफल अभिनेता और असफल फिल्म पर्सनेलिटी हैं।

सनातन विरोधी बयान पर उदयनिधि बोले- माफी नहीं मांगूंगा

उदयनिधि स्टालिन ने 2 सितंबर 2023 को एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिया था। बयान देने के 4 दिन बाद यानी 7 सितंबर को उन्होंने पहली बार सफाई दी। उन्होंने कहा था, 'मैं किसी भी धर्म का दुश्मन नहीं हूं। मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया। उन्होंने कहा था कि मैं हिंदू धर्म नहीं सनातन प्रथा के खिलाफ हूं। तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। हम अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। अतीत में कई मौकों पर अंबेडकर, पेरियार भी इसके बारे में बोलते रहे हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी टिप्पणी पर माफी मांगने से इनकार किया था। उन्होंने चेन्नई में एक इवेंट में कहा

था कि मैंने सनातन को लेकर वही बातें कहीं, जो पेरियार, अन्नादुराई और करुणानिधि भी कहते थे। उदयनिधि ने कहा था कि मेरे बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। तमिलनाडु समेत देशभर में कई कोर्ट केस भी हुए। मुझे माफी मांगने के लिए भी कहा गया, लेकिन मैं कलैगनार (कला के विद्वान) का पोता हूं। मैं माफी नहीं मांगूंगा। मेरी टिप्पणियों का उद्देश्य महिलाओं के प्रति कथित दमनकारी प्रथाओं को बताना था। हिंदू धर्म में महिलाओं को पढ़ने की अनुमति नहीं थी। वे अपने घर से बाहर नहीं जा सकती थीं और अगर उनके पति मर जाएं तो उन्हें भी मरना पड़ता था। पेरियार ने इन सबके खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्हें नहीं पता कि उनकी अपरिपक्वता और ज्ञान की कमी के कारण वे इस तरह की बातें करते हैं। भाषा के नाम पर ये लोग देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। तिरुपति ने कहा कि तमिल फिल्मों से रेड जायंट फिल्म्स (उदयनिधि स्टालिन की प्रोडक्शन कंपनी) हिंदी वर्जन भी बना रही है और खूब पैसा कमा रही है। पैसा कमाने के लिए वे हिंदी चाहते हैं और सत्ता में बने रहना चाहते हैं, वे नहीं चाहते कि लोग हिंदी सीखें।

चयन बोर्ड ने शेड्यूल जारी किया

पशु परिचर भर्ती परीक्षा में पांच जिले बढ़ाने की तैयारी, 33 जिलों में हो सकती है परीक्षा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पशु परिचर भर्ती परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा 1 से 3 दिसंबर तक 6 पारियों में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को गृह जिले में या गृह जिले के नजदीकी जिलों में परीक्षा केंद्र देने के लिए चयन बोर्ड ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। बोर्ड कोशिश कर रहा है कि इस बार परीक्षा केंद्र के लिए 5 जिले बढ़ा दिए जाए। सीईटी सीनियर सेकंडरी परीक्षा 28 जिलों में आयोजित की गई थी। बोर्ड चाहता है कि 33 जिलों में केंद्र बनाए दिए जाएं। इसके लिए 28 जिलों के अलावा नए जिलों में जालौर, जैसलमेर, डीग, झुंझुनूं और चूरू में सीमित संख्या में केंद्र बनाने की तैयारी शुरू की है। इनमें बनाए जाने वाले परीक्षा केंद्र दिव्यांग अभ्यर्थी और महिला अभ्यर्थियों को आवंटित किए जा सकते हैं। परीक्षा 1, 2 और 3 दिसंबर को होगी। प्रतिदिन दो पारी यानी कुल 6 पारियों में यह परीक्षा होगी। इसके लिए 17.64 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

इन जिलों में होगी परीक्षा

बोर्ड ने सीईटी सीनियर सेकंडरी परीक्षा 28 जिलों में आयोजित की थी। इनमें अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, ब्यावर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौडगढ़, दौसा, डूंगरपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, झालावाड़, जोधपुर, कोटा, कोटपुतली, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक, उदयपुर, कुचामन, सिरोही और बाड़मेर में शामिल थे। अब 5 जिले जालौर, जैसलमेर, डीग, झुंझुनूं और चूरू बढ़ाया जाना प्रस्तावित है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, आज नाम वापसी का अंतिम दिन

बागियों को मनाने में जुटे गठबंधन, इस बार 7995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन वापसी का आखिरी दिन है। ऐसे में महाविकास अघाड़ी और महायुति के पास अपने-अपने बागी उम्मीदवारों को मनाने के लिए कुछ ही समय बचा है। दोनों ही गठबंधनों के दल अपने ऐसे बागी उम्मीदवारों को मनाने में जुटे हुए हैं, जो जीत-हार का समीकरण बदल सकते हैं। मुंबई के बोरीवली से भाजपा के बागी उम्मीदवार गोपाल शेट्टी ने भले ही उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की, लेकिन अभी तक उन्होंने पर्चा वापस नहीं लिया है। वहीं, शिवसेना (शिंदे) विधायक सदा सरवणकर ने माहिम सीट से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे के खिलाफ नामांकन वापसी की शर्त रखी है। मनसे ने 25 सीट पर अपने उम्मीवार उतारे हैं। शिवसेना और एनसीपी में बगावत के चलते इस बार 6 बड़े दल मैदान में हैं। यही कारण है कि बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। इस बार 7,995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। 6 पार्टियां चुनाव मैदान में, लगभग हर सीट पर बागी शिवसेना और गएध में बगावत के चलते इस बार छह बड़े दल मैदान में हैं। इसी वजह से बागी भी ज्यादा हैं।

सबकी निगाह अब नाम वापसी की आखिरी तारीख 4 नवंबर पर

प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। सबकी निगाह अब नाम वापसी की आखिरी तारीख, 4 नवंबर पर है। उसके बाद ही पता चलेगा कि लड़ाई कैसी होगी। बोरिवली- गोपाल शेट्टी दो बार भाजपा से सांसद रह चुके हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला था इसलिए विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन

भाजपा ने संजय उपाध्याय को टिकट दे दिया। उमरेड- राजू पारवे शिंदे गुट की शिवसेना के नेता हैं। पार्टी ने रामटेक से लोकसभा चुनाव लड़ाया था, लेकिन हार गए। विधानसभा चुनाव में यह सीट भाजपा के पास चली गई। भाजपा ने सुधीर पारवे को मैदान में उतारा है। अंधेरी पूर्व- स्वीकृति शर्मा पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की पत्नी हैं। कुछ दिन पहले ही शिंदे गुट की शिवसेना ज्वाइन की थी। पार्टी ने इस सीट से मुरजी पटेल को उम्मीदवार बनाया तो निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं। चिंचवड- नाना काटे अजित गुट की गएध के नेता हैं। सीट भाजपा के पाले में चली गई। भाजपा ने शंकर जगताप को उतारा है। इस सीट पर मामला बड़ा दिलचस्प है। नॉमिनेशन भरने की समय सीमा खत्म होने से कुछ मिनट पहले ही अजित गुट की गएध ने नवाब मलिक को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। मलिक पहले से टिकट की दावेदारी कर रहे थे, मगर भाजपा विरोध कर रही थी।

खबरें फटाफट

जाशमा क्षेत्र में खेखरा का पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया

■ संजीवनी टुडे

जाशमा। जाशमा क्षेत्र में मालीखेड़ा, देवडो का खेड़ा ,काना खेड़ा ,सूरजपुरा ,सेजगरिया अनौपपुरा ,गाडरीया वास आदि गांव में बैलों को सजाकर रंग रोगन कर हवा के गुब्बारे से सजाया गया और जो गांव के पंचों के माध्यम से बैलों की पूजा अर्चना की गई एवं लापसी खिलाई कंकू लछा दातली के साथ पूजा अर्चना की गई गई किसानों ने अपने-अपने बैलों को रस्सी से थामे हुए थे फिर बाद में खेखरा का पर्व पर मनाया गया एवं बालक बालिकाओं में पटाखे छोड़े गए हर्ष उल्लास के साथ खेखरा का पर्व मनाया गया।

परम पूज्य संत श्री प्रहलाद सिंह बापू का किया स्वर्ण मुकुट श्रृंगार

■ संजीवनी टुडे

गांधीनगर। गुजरात प्रदेश के गांधीनगर जिले के दहेगाम तहसील में स्थित अलख नों ओटलों सरगुड़ी धाम के गादीपति परम पूज्य संत श्री प्रहलाद सिंह बापू का कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की दूज के पावन अवसर पर स्वर्ण सिंहासन के साथ स्वर्ण मुकुट का श्रृंगार किया गया। संत श्री के शिष्य हनुमान प्रसाद गोठवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अलख नों ओटलों सरगुड़ी धाम के गादीपति परम पूज्य संत श्री प्रहलाद सिंह बापू को दूज (बीज) के पावन अवसर पर भक्तों ने प्रातः शुभ मुहूर्त के अनुसार विधिवत मंत्रोचारण के साथ स्वर्ण सिंहासन पर बिठाया और स्वर्ण मुकुट से श्रृंगार कर पूजा अर्चना की तथा आशीर्वाद लिया। संत श्री प्रहलाद सिंह बापू ने सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया और दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भक्तों ने अलख नों ओटलों पर महाप्रसादी ग्रहण की।

अभिनव पहल- अभावग्रस्त बच्चों के साथ मनाया दीपोत्सव

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। दीपावली के अवसर पर हर व्यक्ति चाहता है कि वह नए-नए वस्त्र पहने , अपने घर को सजाए,विभिन्न तरह की मिठाईयों एवं पटाखों का उपयोग करें। लेकिन नियति के आगे कुछ बच्चे बेबस हो जाते हैं जब किसी के सिर पर से पिता का एवं किसी के सिर पर से माता-पिता दोनों का साया उठ जाता है उनके लिए दीपावली का त्यौहार एक सामान्य सा दिन ही बनकर रह जाता है। इसी पीड़ा को समझते हुए टहला के डॉक्टर अभिमन्यु सिद्ध के साथ युवाओं ने दीपावली का पर्व ऐसे ही अभावग्रस्त परिवारों के साथ मनाने का निश्चय किया। इस अवसर पर ग्राम कोटडी रामपुरा के ऐसे अभावग्रस्त बच्चों को उनकी पसंद के नए वस्त्र एवं मिठाइयां उपहार स्वरूप भेंट की गई। नए वस्त्र एवं मिठाइयां मिलने से बच्चे काफी उत्साहित एवं प्रसन्न नजर आए। डॉ सिद्ध एवं युवाओं का मानना है की ऐसे गरीब तथा वंचित परिवारों के साथ छोटी-छोटी खुशियां बांटकर ही हम प्रभु श्री राम के आदर्शो को सही मायने में जी पाते हैं साथ ही इनका मानना है कि ईश्वर ने जो सक्षमता आपको प्रदान की है उससे समाज के उन तबको का भी आप सहयोग करे जिन्हें आप जैसे लोगों से मदद की जरूरत है,तो हम दीपावली को सार्थक कर सकेंगे। इस सार्थक दीपोत्सव की पहल के दौरान डॉ सिद्ध के साथ अभिषेक सिद्ध,प्रहलाद मीणा, विवेकानंद शर्मा, अरुण जांगिड़, अनिल अवस्थी , दिनेश बलाई, रामबाबू आदि युवा साथ रहे।

उपचुनाव में पायलट की होगी एंट्री, किरोड़ी लाल की बढ़ेगी टेंशन

■ संजीवनी टुडे

दौसा। दिवाली का सीजन जाते ही सोमवार से राजस्थान में सात सीटों पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव का प्रचार जोर पकड़ेगा। क्योंकि कल से सातों सीटों पर बड़े नेताओं की रैलियां शुरू होने जा रही हैं। इसी कड़ी में कल से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट भी धुंआधार प्रचार करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पायलट के इस प्रचार से किरोड़ी लाल मीणा की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि अभी तक के प्रचार को देखते हुए लग रहा था कि बीजेपी प्रत्याशी बढ़त बनाए हुए हैं।

श्री द्वारिकाधीश घांची प्रिमियर लीग डीजीपीएल-2024 सिजन-1 क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज

बालिकाओं को प्रोत्सहान करने के लिए श्री द्वारिकाधीश घांची प्रिमियर लीग डीजीपीएल-2024 सिजन-1 क्रिकेट प्रतियोगिता में छः टीम बालिकाओ की टीम लेगी भाग

खेल को खेल की भावना से खेले- श्री श्री 1008 श्री रेवानाथ जी महाराज

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। नगर के समीपवर्ती स्थित जनापुर ग्राम में श्री द्वारिकाधीश घांची प्रिमियर लीग डीजीपीएल-2024 सिजन-1 क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज शनिवार को संतों के आतिथ्य किया गयाम जानकारी के अनुसार श्री द्वारिकाधीश घांची प्रिमियर लीग डीजीपीएल-2024 सिजन-1 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन श्री क्षत्रिय घांची समाज जनापुर द्वारा गांव के गोगाजी स्टेडियम जनापुर में किया जा रहा हैम क्रिकेट प्रतियोगिता से पुरुष 25 टीम भाग ले रही है। वही इस बार पहली बार की बालिका को प्रोत्सहान करने के लिए श्री द्वारिकाधीश घांची प्रिमियर लीग डीजीपीएल-2024 सिजन-1 क्रिकेट प्रतियोगिता में छः टीम बालिकाओ की भी भाग ले रही है। प्रतियोगिता का शुभारम्भ श्री श्री1008 रेखनाथ जी महाराज एवं जनापुर टीलात (समाज के मुखिया) विराराम गहलोत के आतिथ्य में भगवान श्री द्वारकाधीश जी की तस्वीर के आगे दीप प्रचलित कर क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभकिया गया। वही क्रिकेट प्रतियोगिता दिनांक 2 नंवम्बर 2024 से 6 नवम्बर 2024 तक आयोजित की जाएगी।श्री द्वारिकाधीश घांची प्रिमियर लीग डीजीपीएल-2024 सिजन-1 क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन 6 नवम्बर 2024 होगाम क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रेण्डम सेना जनापुर और जनापुर सुपर किंग के बीच खेला गया मजिसमे जनापुर सुपर किंग के विजेता रही।

शिक्षक दिनेश कुमार सैनी ने 17वीं रक्तदान कर बचाई एक युवा की जान

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी के द्वारा शनिवार को 17वीं बार रक्तदान करके रवि मीना एमबीबीएस छात्र की मदद की गई। उनके पास दोपहर में 3 बजे हरिसिंह ने कॉल कर और नई सोच नई किरण रक्तदानी संगठन ग्रुप के माध्यम से सूचना दी कि अलवर निवासी रवि मीना सानिया हॉस्पिटल में भर्ती है उनकी तबियत खराब है और उसे ब्लड की जरूरत है। तो शिक्षक दिनेश कुमार सैनी के द्वारा अलवर पहुंचकर रक्तदान किया गया। इनके द्वारा 17वीं बार रक्तदान करके मदद की गई। इससे पहले भी ये 16 बार जरूरतमंद लोगों के लिए इमरजेंसी में जाकर रक्तदान कर चुके है। इनको शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार, गतिविधि आधारित शिक्षण,खेल खेल में शिक्षा और मनोरंजक गतिविधि के लिए राज्य सरकार के द्वारा हाल ही में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया और ये नई सोच नई किरण रक्तदानी संगठन के सदस्य भी है।

खेल को खेल की भावना से खेले: राजपुरोहित

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। नगर के बाबूलाल शिवलाल जोगातर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पिण्डवाडा के खेल मैदान पर चल रही श्री श्रीयादे प्रजापत प्रीमियम क्रिकेट लीग के आयोजन किया जा रहा हैम श्री श्रीयादे प्रजापत प्रीमियम क्रिकेट लीग के आयोजन में अतिथि के रूप में नगर पालिका पिंडवाड़ा के अधिशाषी अधिकारी महेंद्र राजपुरोहित,नगर पालिका के स्वास्थ्य निरीक्षक अनिरुद्ध राजपुरोहित,पालिका पुर्व नेता प्रतिपक्ष संजय गर्ग,वरिष्ठ नेता छगन टांक के आतिथ्य आयोजित किया गयाम्म प्रीमियर लीग में नगर पालिका पिंण्डवाड़ा के अधिशाषी अधिकारी राजपुरोहित ने बताया कि खेल मैदान में सभी एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी होते है पर खेल को खेल की भावना से खेले जिससे आपसी भाईचारा बना रहे उन्होंने सभी खेल प्रेमियों को धन्यवाद दिया म कि आप लोगों ने ऐसे आयोजन करवा के युवा पीढ़ी को खेल के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने का प्रयास किया म इसी प्रकार से खेल को जीवन में खेलना चाहिए जिससे शारीरिक विकास हो सके द्यपालिका पुर्व प्रतिपक्ष नेता संजय गर्ग ने बताया कि खेल एक रोमांच का खेल है इसे जितनी गहराई से खेलेंगे उतना ही आपको मजा आएगाम खेल से आपसी संबंध अच्छे बनते है और प्रजापत समाज के द्वारा आयोजित किया जाने वाला ये सफल आयोजन अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणादायक है आज दौर में इतने बड़े समाज को एक मंच पर लाना भी आसान नहीं हैम फिर भी आपके युवा साथी बहुत जागरूक है जो ऐसे आयोजन करवाते है पालिका पार्षद छगन टांक ने बताया कि पूरे जिले में होने वाले अन्य आयोजन से ये बहुत बड़ा आयोजन है जिसमें बाहर से भी खिलाड़ी आते है और उनका खेल का प्रदर्शन करते हैं ये पूरे समाज का सामूहिक प्रयास से होने वाला आयोजन सभी के लिए एक प्रेरणाश्रोत है इस दौरान सभी अतिथियों का माला और साफा पहना कर स्वागत अभिनंदन किया गया द्य इस दौरान कमेटी की ओर से सभी अतिथियों का धवल प्रजापत द्वारा आभार व्यक्त किया कि आपने पधारकर हमारे इस आयोजन की शोभा बढ़ाई सबका धन्यवाद दिया। इस दौरान समाज के प्रकाश मेवाड़ा,चंद्र प्रकाश टांक,धवल प्रजापत ,प्रतीक टांक,दिलीप प्रजापत,आयुष प्रजापत,भावेश प्रजापत,किशोर प्रजापत,महेंद्र प्रजापत,जगदीश प्रजापत,विष्णु प्रजापत,कमल किशोर प्रजापत,सुरेश प्रजापत,अशोक प्रजापत,अक्षय प्रजापत,किशोर मेवाड़ा सहित कई समाज बंधु उपस्थित रहे।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सर्वोच्च प्राथमिकता- सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चौरासी विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री के. विवेकानंदन को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रेक्षक श्री विवेकानंदन रविवार को डूंगरपुर पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में उन्होंने अधिकारियों से चौरासी विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या, मतदान केंद्रों की संख्या, मतदान केंद्रों में बुनियादी सुविधाएं, मतदान दलों का प्रशिक्षण, ईवीएम मशीनों का रेंडमाइजेशन, कमीशनिंग, डाक मतदान, वेब कास्टिंग, सुरक्षा व्यवस्था, एसएसटी, एफएसटी दलों द्वारा कार्यवाही सी-विजिल एप पर शिकायतों का निपटारा, आचार संहिता की पालना, कानून व्यवस्था आदि की जानकारी ली। सामान्य प्रेक्षक श्री विवेकानंदन ने कहा कि मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी, रैंप, व्हील चेयर व अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न करवाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सामान्य प्रेक्षक श्री के. विवेकानंदन ने बताया कि विधानसभा उप चुनाव-2024 के संदर्भ में आमजन अपनी परिवेदना के लिए मोबाइल नंबर 7726823742 पर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

जाशमा क्षेत्र में दीपावली दो दिवसीय तक मनाई एवं गोवर्धन पूजा अन्न कोट का पर्व मनाया

■ संजीवनी टुडे

जाशमा। जाशमा क्षेत्र में दीपावली का पर्व दो दिन तक मनाया गया एवं घरों की पुताई करके, लाइट डेकोरेशन घरो को सजाया ,लोगों ने शुभ मुहूर्त पर लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई एवं चोपड़ा की बही खाता ,कार मोटरसाइकिल की पूजा अर्चना की गई एवं जाशमा नेहरू बस स्टैंड पर मिठाइयों की दुकानें लगी ,जिसमें 2 दिन तक ग्राहकी चलती रही चहल-पहल महसूस हुआ ,दीपावली महोत्सव के पर्व पर इष्ट देव एवं मंदिरों पर दीप जलाए गए ,चामुंडा माता मंदिर पर 201 दीप जलाए दिनेश कुमार रुणीजा ने दीप जलाए, घरों में मिठाइयां लापसी ,चावल ,चक्की ,जलेबी रसगुल्ला गुलाब जामुन नमकीन ,तार्पिणी आदि मिठाइयों का लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई दीपावली के दूसरे दिन महिलाओं ने गोवर्धन पूजा की गई अपने अपने घर के बाहर गोबर के आकृति बनाई गई एवं पूजा अर्चना की जाशमा गांव के तीन मंदिरों पर देवस्थान विभाग की ओर से चारभुजा मंदिर जाशमा, , गणेश मंदिर पर विभाग की ओर से लाइट डेकोरेशन टेंट व्यवस्था हैलोजन एवं मंदिरों पर कलाकारों द्वारा भगवान राम के भजन का आयोजन करवाया गया ,जिससे देखने के लिए कई लोग उमड़े और अन्न कोट का प्रसाद का वितरण किया गया ,अन्न कोट में आदिवासी भील समाज के लोगों को सूचित किया गया, अन्न कोट का शुभारंभ किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जल्दबाजी में लागू करना ठीक नहीं

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ । राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के शिक्षा संकूल परिसर के सभागार में शासन सचिव (स्कूली शिक्षा) कृष्ण कुणाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर आशीष मोदी एवं निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा बीकानेर सीताराम जाट की उपस्थिति में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर सुझाव के लिए बुलाई बैठक में संगठन ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा नीति 2020 को जल्दबाजी में लागू करना ठीक नहीं होगा। संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने बताया है कि प्रदेशाध्यक्ष नीरज शर्मा की उपस्थिति, विभिन्न संगठनो के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने राज्य सरकार को बताया कि देश में पहली बार शिक्षा नीति लागु नहीं हो रही हैं। 1986 की शिक्षा नीति की बात की जाये तो व्यावसायिक शिक्षा एवं तकनीकि शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन हुआ। जिससे रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए । राज्य में लगभग शिक्षा विभाग के विभिन्न संवर्गों के ढेड़ लाख पद खाली है। ऐसे में शिक्षानीति कितनी कारगर साबित हो सकती है लेकिन जल्दबाजी में केवल नीति का लागू करना ही मकसद नहीं होना चाहिए।

गहलोत ने राज्य सरकार के आला अधिकारियों से राज्य में स्थाई तबादला नीति बनाकर नेत्रहीन शिक्षको को गृह जिले में पदस्थापन देने के अलावा शिक्षक संघ की सार्थकता शिक्षार्थी हित में होनी चाहिए। साथ ही महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय की राज्य में अच्छी साख व प्रतिष्ठा है अगर किसी स्तर पर कमी है तो सुधार किया जाना चाहिए। इन विद्यालयों की समीक्षा कर बंद करने का इरादा किसी भी स्थिति में संगठन स्वीकार नहीं करेगा। राज्य सरकार स्तर पर साढ़े तीन घन्टे चली चर्चा पर संगठन ने लिखित सुझावों का ज्ञापन भी शिक्षा सचिव एवं निदेशक मा.शिः बीकानेर को देकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संगठन की स्थिति स्पष्ट कर दी है।नरेंद्र शर्मा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष,रा. शिक्षक संघ (प्रगतिशील)ने मीडिया को बताया की इस अवसर पर विभाग के स्टॉफ आफिसर अरूण शर्मा, संयुक्त निदेशक बीकानेर सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विस्तृत चर्चा की गई।

पुलिस ने पकड़े करीब नौ लाख के नकली नोट, आरोपी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

पूछताछ में हो सकता बड़ा खुलासा

बाड़मेर। बालोतरा पुलिस की डीएसटी टीम ने रविवार रात 8 लाख 97 हजार 500 रुपए के जाली नोट बरादम कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पीछे बड़े रैकेट की आशंका जताई है। उपयोग में ली गई एक मोटरसाईकिल जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि 2 नवम्बर देर रात डीएसटी बालोतरा को सूचना मिली कि भरत कुमार पुत्र हरचंदराम माली निवासी मालियों का वास बोरावास तिलवाड़ा हाल गांधीपुरा बालोतरा के कब्जा से बड़ी मात्रा में जाली नोट बरामद हो सकते हैं। भरत कुमार जाली नोटों को असली में उपयोग में ले रहा है। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालसिंह भाटी, वृताधिकारी बालोतरा अनिल पुरोहित, थानाधिकारी जसोल चन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की। जिला स्पेशल टीम बालोतरा ने आसोतरा सरहद क्षेत्र में नाकांबदी की । इस दौरान

मोटरसाईकिल पर सवार होकर आ रहे भरत कुमार को इशारा देकर रुकवाया। इसकी तलाशी ली, इस पर इसके कब्जे से 500-500 रुपए के नकली कुल 1795 नोट 8 लाख 97 हजार 500 रुपए मिले। आरोपी को को गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त किया । इस संबंध में पुलिस थाना जसोल में मामला दर्ज किया। आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है। आरोपी की बालोतरा में ही मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है, जो पुराने बस स्टेण्ड के पीछे बताई जा रही है। वह कई बार दुकान बदल चुका है। आरोपी का अहमदाबाद से कनेक्शन है। करीब 24 वर्षीय युवक का पहले क्राइम कनेक्शन नहीं है। ऐसे में अहमदाबाद से किसके संपर्क में आकर वह इससे जुड़ा है और कौन इसको नकली नोट की आपूर्ति कर रहा है,पुलिस इस पर नजर रखे हुए।

व्यय प्रेक्षक स्वप्निल शरद बावकर ने ली समीक्षात्मक बैठक

आदर्श आचार संहिता के दौरान अब तक 6 करोड़ 22 लाख से अधिक की जब्ती, 46 हजार लीटर से अधिक शराब पकड़ी

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चौरासी विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्रीस्वप्निल शरद बावकर ने रविवार को डूंगरपुर सर्किट हाउस में जिले की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारियों की बैठक ली।बैठक में अब तक के कार्यों की समीक्षा एवं आगामी दिनों की कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एफएसटी, एसएसटी एवंपुलिसनाकों के माध्यम से जिले में की गईइंटर सेप्शनन और सीजर की कार्रवाई की भी समीक्षा की। व्यय प्रेक्षक श्री बावकर ने उप चुनाव में त्यौहार एवं शादियों के सीजन को ध्यान में रखते हुए आमजन को अनावश्यक परेशानी न हो, लेकिन कोई भी अवैध रूप से नकदी, शराब, मादकपदार्थों, कीमती धातुओं आदि का परिवहन न करे इसको लेकर सभी एजेंसियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला शिकायत समिति के अध्यक्ष दिनेश धाकड़ ने एफएसटी, एसएसटी की कार्रवाई एवं जब्ती के विरूद्ध अपील प्रकरणों के निस्तारण की कार्रवाई की जानकारी दी। इस दौरानजिला शिकायत समिति के सदस्य जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़, कोषाधिकारी जयसिंह डामोर भी उपस्थित रहे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिलानोडल अधिकारी पुलिसविभाग अशोक मीणा से इंटरस्टेट नाकों की कार्रवाई एवं नियमित अंतराल पर नाको पर तैनात पुलिस के जवानों की ड्यूटी परिवर्तन करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही विभिन्न एजेंसियो आबकारी, वन विभाग, खनन, वस्तु एवं सेवा कर विभाग के साथसमन्वय करते हुए संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। लीड बैंक मैनेजर को जिले के बैंकों से नकदी निकासी की विस्तृत रिपोर्ट एवं सूचना से प्रतिदिन अवगत करवाने के निर्देश दिए। वहीं, वन विभाग को अभियान चलाकर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी देवेंद्र गिरि, सहायक प्रभारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षणरोशन जोशी, लाइजन अधिकारी परेश पण्ड्या, आयकर अधिकारी संजय भाटिया, स्टेट जीएसटी विभाग से अनिल आमेटा, सीजीएसटी से नितिन बॉयले, आरपीएफ से वीरेंद्र सिंह रत्नाकर, खनन विभाग से शोभित जैन सहित अन्य एजेंसियों के अधिकारी उपस्थितरहे।

खेल हार और जीत दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं: हुकम भारती

■ संजीवनी टुडे

फालना,पाली। प्रजापति प्रीमियर लीग के बैनर तले आज एसपीयू कॉलेज ग्राउंड में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए जगदीश प्रजापति ने बताया कि इस प्रीमियर लीग का आज श्री श्री 1008 श्री हुकुम भारती जी महाराज एवं प्रजापति शैक्षणिक विकास संस्थान के अध्यक्ष लच्छा राम प्रजापति एवं समाजसेवी अमित मेहता के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ इस इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हुकुम भारती जी महाराज ने उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ल्लहार जीतङ्क एक कहावत है जिसका अर्थ है कि जीत और हार दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं और हमें उन्हें स्वीकार करना चाहिए । ये विचार हमें यह सिखाता है कि हमें हार के साथ संघर्ष करना है और जीत के साथ को खुश होना सीखना चाहिए इस अवसर पर उन्होंने समाज के होनहार युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से भी दूर रहने का आह्वान किया उपस्थित मुख्य अतिथियों का साफ़ा,दुपट्टा एवं मोमेंटो के साथ सम्मान किया गया प्रीमियर लीग में कुल 16 टीमें भाग ले रही है जिसका फ़ाइनल मैच 5 तारीख़ को दोपहर में खेला जाएगा इस अवसर पर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में जगदीश प्रजापति, कमलेश प्रजापति,राकेश प्रजापति, प्रवीण प्रजापति और हेमा राम प्रजापति का अभूतपूर्व पूर्ण सहयोग रहा है कार्यक्रम का सुव्यवस्थित मंच संचालन जगदीश प्रजापति ने किया एवं पधारे हुए आगंतुक मेहमानों का धन्यवाद दिया।

खबरें फटाफट

सफाई कर्मचारी भर्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर, वाल्मीकि समाज करेंगा धरना-प्रदर्शन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले वाल्मीकि समाज की ओर से सफाई कर्मचारी भर्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को एक विशाल धरना-प्रदर्शन करने जा रहा है। यह विशाल धरना-प्रदर्शन गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर दिया जाएगा। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष राज्य सफाई कर्मचारी आयोग किशनलाल जैदिया ने बताया कि वाल्मीकि समाज कई मांगों को लेकर सोमवार को गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर विशाल धरना-प्रदर्शन करने जा रहा है। वर्तमान में चल रही सफाई भर्ती प्रक्रिया में समझौता शर्तो की पालना नहीं किए जाने से सफाई कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है।जिसके चलते वाल्मीकि समाज के लोग विरोध प्रदर्शन में वह भाजपा सरकार से यह मांग करेंगे कि सफाई भर्ती प्रक्रिया में वाल्मीकि समाज के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाए और साथ ही आवेदन की तिथि बीस दिन बढ़ाई जाए। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों की भर्ती मस्टररोल के आधार पर की जाए। जिसमें एक साल तक पहले कर्मचारी से काम करवाया जाए, उसके बाद नियुक्ति दी जाए। साथ ही पूर्व की जिन भर्तियों में कोर्ट में मामला विचाराधीन है या जिन पर निर्णय हो चुका है उनमें नियुक्ति के आदेश जारी किए जाए। किशनलाल जैदिया ने बताया कि भर्ती में वाल्मीकि समाज को अनदेखा किया गया है। वाल्मीकि समाज का हक छीनकर अन्य को वरीयता दी जा रही है। जो सरासर गलत है अगर सरकार इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करती है कि तो सम्पूर्ण राजस्थान में वाल्मीकि समाज द्वारा प्रशासन के खिलाफ आंदोलन किया जायेगा।

ज़ी मीडिया कॉर्पोरेशन के वित्त वर्ष 2025 के पहली छ माही की आय ,राजस्व की घोषणा

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। ज़ी मीडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड जो भारत के प्रमुख और सबसे बड़े समाचार नेटवर्क में से एक है, ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और अर्धवार्षिक परिणामों को घोषणा की। वित्त वर्ष 2025 की पहली छ माही (संयुक्त) के लिए, कंपनी का राजस्व 3066.6 मिलियन रुपये दर्ज किया गया है। एबिटा -166.60 मिलियन रुपये रहा, जो कि वर्ष दर वर्ष घटकर पहले के -399.60 मिलियन रुपये से कम हो गया है। कंपनी का प्रमुख हिंदी समाचार चैनल, ज़ी न्यूज़, ने अपनी बाजार पहुंच को काफी बढ़ा लिया है, वर्तमान में 58 मिलियन दर्शकों के साथ 4 वें स्थान पर है 4 सप्ताह का रोलिंग औसत)]। ज़ी बिज़नेस हिंदी व्यावसायिक समाचार खंड में 77.4% की विशाल बाजार हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है, जिसकी औसत साप्ताहिक पहुंच 1.2 मिलियन और औसत समय बिता 33.7 मिनट है[

एनसीएम सिटी समिति निदेशक मंडल बैठक सम्पन्न

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ न्यू क्लोथ मार्केट निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड एनसीएम सिटी निदेशक मंडल की बैठक अध्यक्ष डा. आई एम सेठिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमे बाजार को सात भागो में बाट कर सेक्टर अनुसार सदस्यो की समस्याओं के समाधान सहित बाजार विकास के कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। समिति मंत्री सोहन लाल तनवानी के अनुसार उपाध्यक्ष ओम प्रकाश खटोड़, कोषाध्यक्ष सुरेश डांगी, निदेशक पुष्पा देवी सुहालका, ऋषभ डांगी, प्रकाश पटवारी, मुबारिक हुसैन,नरेश भड़कतिया नारायण जागेटिया,कैलाश देवड़ा के सानिध्य में संपन्न बैठक में बाजार विकास में जिला प्रशासन के निर्देश पर नगरपरिषद के द्वारा प्रदत्त सहयोग की समीक्षा, बाजार को सात भागो में विभाजित कर सेक्टर अनुसार व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने की रूपरेखा सहित दिवाली महापर्व मानने की योजना बनाई गई। बैठक में सदस्यता हस्तांतरण, नॉमिनी नियुक्ति , तिमाही के आय व्यय की जानकारी के साथ ही लिफ्ट के नवीनीकरण व सभागार मरम्मत सहित सही रखरखाव करने तथा समिति आय में वृद्धि पर भी व्यापक चर्चा की गई। समिति मंत्री सोहन लाल तनवानी ने बैठक का संचालन कर अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया।

इंडसइंड बैंक ने उन्नत डिजिटल एस्क्रो सेवाएँ देने के लिए ट्रस्टमोर से साझेदारी की

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। इंडसइंड बैंक ने डिजिटल एस्क्रो प्लेटफ़ॉर्म ट्रस्टमोर (एस्क्रोपे) के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की, जो पूरे भारत में निर्बाध और सुरक्षित डिजिटल एस्क्रो सेवाएँ प्रदान करेगा। इस सहयोग के माध्यम से, इंडसइंड बैंक एस्क्रो सेवाओं का उपयोग करने वाले ग्राहकों को बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं के अपने सभी प्रॉडक्ट्स का विस्तार करेगा, जिससे लेन-देन की सुरक्षा और सुविधा बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, ट्रस्टमोर के ग्राहक, जिनमें व्यवसाय और व्यक्ति दोनों शामिल हैं, इंडसइंड बैंक द्वारा समर्थित ऑन-डिमांड, विश्वसनीय डिजिटल एस्क्रो समाधान से लाभान्वित होंगे। इंडसइंड बैंक के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से, ट्रस्टमोर ने फ़ाइनेंस संबंधी ईको सिस्टम के भीतर अपने फुटप्रिंट का विस्तार किया है और सुरक्षित लेनदेन के प्रबंधन में उद्योगों में उद्यमों का समर्थन किया है। आईएफएससीए द्वारा अधिकृत भारत की पहली कंपनी ट्रस्टमोर ने 150,000 से अधिक व्यवसायों को अपने साथ जोड़ा है।

मुंबई में आयोजित वीर-निर्वाण महासंगम के आयोजन की भव्य तैयारियां

देवेंद्र ब्रह्मचारी ने हिमाचल प्रदेश, असम और मणिपुर के राज्यपालों से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष के अवसर पर महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा ''वीर-निर्वाण महासंगम'' का आयोजन 30 नवंबर को मुंबई के रामलीला मैदान, गौशाला, मलाड ईस्ट में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में राज्यपाल की उपस्थिति रहेगी। साथ ही देश-विदेश के अनेक धर्मगुरु, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री, प्रसिद्ध उद्योगपति, समाजसेवी और कला जगत के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व भी इस अवसर पर शिरकत करेंगे।

इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता भगवान महावीर के अमर संदेश जिओ और जीने दो पर आधारित विशेष व्याख्यान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। महावीरायतन फाउंडेशन के संस्थापक देवेंद्र ब्रम्हचारी जी ने मीडिया से बात करते हुए आयोजन के बारे में बताये की इसका

उद्देश्य समाज में शांति, एकता और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देना है। हमने पिछले दो दशकों से समाज में सामाजिक समरसता, सौहार्द, प्रेम और सद्भावना को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी अथक सेवाएं दी हैं। कार्यक्रम में भगवान महावीर के सन्देश जिओ और जीने दो पर विशेष व्याख्यान होंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में शांति, एकता और सहिष्णुता बढ़ाना है। हाल ही में, देवेंद्र ब्रम्हचारी ने हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिमला स्थित राजभवन में भेंट कर उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया, उन्हों ने कहा की आयोजन समाज के लिए प्रेरणा देने वाला है। इसी प्रकार, नई दिल्ली असम हाउस में असम और मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी से भी भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में प्रेम, सद्भावना और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण प्रयास हैं। उन्होंने स्वामी देवेंद्र ब्रम्हचारी के सामाजिक कार्यों और महावीर के सिद्धांतों को समाज में प्रचारित करने की पहल की सराहना की। और उनका मानना है कि यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक प्रेरणादायक मंच बनेगा। यह महासंगम भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करने और समाज में धार्मिक सहिष्णुता, प्रेम और सद्भावना का संदेश फैलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए भारत में सोने की मांग के आंकड़े

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। वॉल्यूम के मामले में 2024 की तीसरी तिमाही में भारत में 248.3 टन सोने की मांग रही, जो 2023 की तीसरी तिमाही में 210.2 टन की मांग के मुकाबले 18% ज्यादा है। मूल्य के मामले में 2024 की तीसरी तिमाही में भारत में 1,65,380 करोड़ रुपये के सोने की मांग थी, जो 2023 की तीसरी तिमाही में 1,07,700 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 53% ज्यादा है। वॉल्यूम के मामले में 2024 की तीसरी तिमाही में भारत में आभूषणों की कुल मांग 171.6 टन थी, जो 2023 की तीसरी तिमाही में 155.7 टन के मुकाबले 10% ज्यादा थी। मूल्य के मामले में 2024 की तीसरी तिमाही में भारत में कुल 1,14,300 करोड़ रुपये के आभूषणों की मांग थी, जो 2023 की तीसरी तिमाही में 79,830 करोड़ रुपये के आभूषणों की मांग के मुकाबले 43% अधिक है। वॉल्यूम के मामले में 2024 की तीसरी तिमाही में सोने में निवेश की कुल मांग 76.7 टन थी, जो 2023 की तीसरी तिमाही में 54.5 टन की मांग के मुकाबले 41% ज्यादा है। मूल्य के मामले में 2024 की तीसरी तिमाही में सोने में निवेश मांग 51,080 करोड़ रुपये थी, जो 2023 की तीसरी तिमाही 27,940 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 83% अधिक है।जुलाई में सोने के आयात शुल्क में की गई भारी कटौती के बाद आभूषणों की मांग ने 2023 की तीसरी तिमाही में 155.7 टन के मुकाबले 10% बढ़कर 171.6 टन तक पहुंचकर 2015 के बाद सबसे मजबूत तीसरी तिमाही दर्ज की। जुलाई खत्म होते-होते ग्राहकों की मांग तेजी से बढ़ी और सितंबर के मध्य तक मजबूत रही।

प्रधानमंत्री न मोदी ने मेरिल के एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग सेंटर का किया उद्घाटन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भारत की प्रमुख ग्लोबल मेडटेक कंपनी मेरिल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत मेरिल के अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल भी मौजूद रहे। मेरिल मेडिकल उपकरणों का प्रमुख निर्माता और निर्यातक है। कंपनी ने मेक इन इंडिया के तहत उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण बनाकर देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है। इसके द्वारा भारत की विदेशों पर निर्भरता कम करने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान दिया जा रहा है। 2024 के वाइब्रेंट गुजरात समिट में मेरिल ने गुजरात सरकार के साथ एक एमओयू साइन किया है, जिसमें मेडिकल उपकरण क्षेत्र में 910 करोड़ रुपये का नया निवेश करने का वादा किया गया। अब तक, मेरिल ने 1,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जो भारत के मेडिकल टेक्नोलाजी क्षेत्र को विकसित करने में योगदान दे रहा है। नए निवेश से 5,000

नौकरियां पैदा होंगी और महत्वपूर्ण मेडिकल उपकरणों के आयात में कमी आएगी। पीएलआई योजना के तहत, मेरिल के चार समूह की कंपनियां जो स्ट्रक्चरल हार्ट, वेस्कुलर इंटरवेंशंस, ऑर्थोपेडिक्स, और एंडो सर्जरी में काम करती हैं, उन्हें शामिल किया गया है, जिससे आवश्यक उपकरणों का घरेलू उत्पादन हो सकेगा। विवेक शाह, सीईओ, मेरिल ने कहा ल्लहम भारत की आत्मनिर्भर स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि को साकार करने के लिए पीएलआई योजना के तहत मान्यता प्राप्त होने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह नया केंद्र हमारे नवाचार और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिससे हम 150 से अधिक देशों में उन्नत स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं। भारत और विदेश में स्थित 12 मेरिल अकादमियों के माध्यम से, हम शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, जिससे दुनियाभर के स्वास्थ्य पेशेवरों को सशक्त बना सकें।

दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन के शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 237% वृद्धि

■ संजीवनी टुडे

आईपीए पर 5 साल के लिए एंटी-डंपिंग ड्यूटी लागू

नई दिल्ली। दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत के औद्योगिक और खनन रसायनों और उर्वरकों के अग्रणी उत्पादकों में से एक (''डीएफपीसीएल'' या ''कंपनी'') ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने परिणामों की घोषणा की। एडीबीटा मार्जिन वृद्धि साल-दर-साल 12% की तुलना में 18% तक सुधार हुआ। थोक उर्वरक में रिकॉर्ड बिक्री मात्राः निर्मित थोक उर्वरक की बिक्री मात्रा में साल-दर-साल 83% की वृद्धि हासिल की गई, जो एक तिमाही में सबसे अधिक बिक्री है। एंटी-डंपिंग ड्यूटी कार्यान्वयनः 5 साल की अवधि के लिए आईपीए पर 217 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन एंटी-डंपिंग ड्यूटी (एडीडी)। ड्यूटी कार्यान्वयनः 5 साल की अवधि के लिए आईपीए पर 217 अमेरिकी डॉलर प्रति

मीट्रिक टन एंटी-डंपिंग ड्यूटी (एडीडी)। ऋण में कमीः ?200 करोड़ का प्रीपेड भुगतान, शुद्ध ऋण और एडिबिटा अनुपात को 2.66एक्स से 1.64एक्स तक सुधारना। क्यू 2एफ वाई 25 में प्रमुख आरएम कीमतों में बदलावः अमोनिया ु11% ड्डधड्ड; एमओपी ? ु40% सालाना; गैस ु9% सालाना इस पर टिप्पणी करते हुए, सैलेश सी. मेहता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि। डीएफपीसीएल ने एफवाई 25 की दूसरी तिमाही में राजस्व में 13% की वृद्धि हासिल करते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन दिखाया है। यह वृद्धि मुख्य रूप से फसल पोषण व्यवसाय द्वारा संचालित थी, जिसमें राजस्व में 18% सालाना वृद्धि का अनुभव हुआ, जबकि रासायनिक क्षेत्रों के लिए कमजोर तिमाही के बावजूद रासायनिक कारोबार में 8% सालाना वृद्धि हुई। उर्वरक और रासायनिक व्यवसायों ने एक प्राकृतिक बचाव के रूप में काम किया, जिससे कंपनी को लगातार और बेहतर प्रदर्शन देने में मदद मिली। जैसे-जैसे भारत का विकास जारी है, रासायनिक और उर्वरक क्षेत्र भी फलने-फूलने की ओर अग्रसर हैं। फसल पोषण, खनन रसायन और औद्योगिक रसायन व्यवसाय के लिए मांग दृष्टिकोण भारत की विकास कहानी के साथ अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है, जो मजबूत और सकारात्मक टेलविंड प्रदान करता है। हम भविष्य के विकास को भुनाने के लिए क्रमशः गोपालपुर और दहेज में टैन परियोजना और नाइट्रिक एसिड परियोजना के कार्यान्वयन पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

तीन दिवसीय स्टार्टअप महाफ़ेस्ट 'इनोफ़ेस्ट इंडिया-2024' की शुरूआत 7 नवंबर से

इनोफ़ेस्ट' में होंगे 500 करोड के इन्वेस्टमेंट

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। पोद्दार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स और फ़ेडरेशन ऑफ यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स एंड इंडस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में 50 से अधिक वीसी एवं एंजिल इंवेस्टर 500 करोड से अधिक का इन्वेस्टमेंट अनाउंस करेंगे। राजधानी में अपने तरह के इस पहले तीन दिवसीय इंटरनेशनल महाफ़ेस्ट 'इनोफ़ेस्ट इंडिया-2024' की शुरूआत 7 नवंबर सुबह 10 बजे प्रदेश के राज्यपाल हरिभाउ बागडे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में करेंगे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड उपस्थित रहेंगे। इसमें देश-दुनिया के विभिन्न हिस्सों से स्टार्ट अप फाउंडर, इंडस्ट्रियलिस्ट, बडी कंपनियों के प्रतिनिधि, इंवेस्टर्स, यूनिवर्सिटी, कॉलेज, इन्क्यूबेशन सेंटर्स, आईटी, सरकारी उपक्रम, बैंक समेत विभिन्न फील्ड की हस्तियां शिरकत करेंगी। तीन दिन तक चलने वाले इस महाफ़ेस्ट में रोजगार के अवसर बढाने, स्टार्ट अप को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को गौरवान्वित करने वाली हस्तियों के सम्मान के साथ ही विभिन्न पैनल डिस्कशन एवं ओपन डिस्कशन थियेटर के आयोजन समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित

होंगे।पोद्दार ग्रुप के चेयरमेन डॉ. आनंद पोद्दार ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्टार्टअप्स को बढावा देना एवं प्रदेश में रोजगार के अवसरों को बढाना है। उन्होंने बताया कि आगामी राईजिंग राजस्थान इंवेस्ट समिट के प्रमोशन में ये आयोजन एक महती भूमिका निभाएगा। इस आयोजन की ऑर्गेनाइजिंग सैक्रेट्री सरगम पोद्दार ने बताया कि आयोजन के तीनों ही दिन देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगी। इस दौरान पहले दिन एमएसएमई बिजनेस फोरम इंडिया के निदेशक रवि नंदन सिन्हा, फादर ऑफ इंडियन सोलर एनर्जी दीपक गादिया, जाने माने एमएसएमई ब्रांडिंग एक्सपर्ट हिमाद्री सिन्हा, प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार दीपक वोहरा, जियो सिनेमा लॉयन्स डेन रियलिटी शो प्रोड्यूसर संघमित्रा चौहान, आईआईटी के डीन, विभिन्न यू-ट्यूब इन्फ्लूएंसर समेत अन्य नामचीन हस्तियां रूबरू होंगी। इसके साथ ही देश की नामचीन वूमेन आंत्रप्रेन्योरशिप देश की महिला उद्यमिता को भी आयोजन के दौरान बढावा देंगी। पोद्दार ने बताया कि इस आयोजन में शार्ट टैंकर स्टार्टअप्स गोल्डन फैदर, ग्लेडफुल नीमा एआइ, लाईफ केयर फार्मेसी इंडीगिफ्ट भी पार्टिसिपेट करेंगे।

सुमीत एसएसजी ने की भारत में उन्नत एम्बुलेंस बेड़ा पेश करने की पहल

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज और स्पेन स्थित एसएसजी मैट्रिक्स के बीच एक संयुक्त उद्यम सुमीतएसएसजी, ने आज भारत में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को बदलने की अपनी योजना की घोषणा की। महाराष्ट्र में शुरू करते हुए, लगभग 1600 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ पूरे राज्य में नई 'महाराष्ट्र आपातकालीन चिकित्सा सेवा' (एमईएमएस) 108 एम्बुलेंस परियोजना को लागू किया जाएगा। सुमीतएसएसजी का लक्ष्य आपातकालीन स्थितियों के मुश्किल समय में इस्तेमाल के लिए विशेष चिकित्सा उपकरणों के साथ एडवांस्ड एम्बुलेंस बेड़ा पेश करना है। ये एडवांस्ड एम्बुलेंस मोबाइल डेटा टर्मिनल (एमडीटी), टैबलेट पीसी, आरएफआईडी, जीपीएस, कॉलर लोकेशन ट्रैकिंग, सीसीटीवी और त्रिआज सिस्टम जैसी तकनीकों से लैस होंगी। इसके अतिरिक्त, इनमें इनबिल्ट कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट (सीआरएम), कंप्यूटर-एडेड डिस्पैच (सीएडी), वाहन ट्रैकिंग और प्रबंधन प्रणाली (वीटीएमएस), और रोगी आगमन सूचना प्रणाली भी होगी। बेड़े में एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस (एएलएस), बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस (बीएलएस), नवजात एम्बुलेंस, फर्स्ट रिस्पॉन्डर बाइक, समुद्री और नदी नाव एम्बुलेंस शामिल हैं। एमईएमएस 108 के लिए आगे के एकीकरण में मेडिकल एप्लिकेशन ड्रोन और हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं शामिल होंगी। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पेरेज कस्तीयोन के बीच चल रही द्विपक्षीय बैठकों की पृष्ठभूमि में की गई है, जो अपनी पहली भारत यात्रा पर हैं। स्पेन-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन के लिए मुंबई की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री सांचेज़ ने व्यक्तिगत रूप से एमईएमएस 108 के लिए लॉन्च किए जाने वाले नए बेड़े का निरीक्षण और अनावरण किया। उन्होंने भारत में उन्नत स्वास्थ्य सेवा पहलों के महत्व के बारे में संक्षेप में बात की और इस पहल को आगे बढ़ाने में उनके प्रयासों के लिए सुमीतएसएसजी टीम को बधाई दी। सुमीतएसएसजी टीम के साथ अपनी बातचीत में, उन्होंने भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में इस उन्नयन की प्रशंसा की और देश में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के समग्र सुधार के बारे में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी चर्चाओं का उल्लेख किया।लॉन्च के मौके पर सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज, इंडिया के वाइस चेयरमैन, श्री शिखर सालुंके ने कहा, मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने स्पेन के प्रधानमंत्री श्री पेड्रो सांचेज़ पेरेज़ कस्तीयोन और उनके व्यापार प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा पर मेजबानी की। हमने स्पेन के प्रधानमंत्री को अपने नवीनतम बेड़े और अभिनव सेवा मॉडल का गर्व से प्रदर्शन किया, जिसे विशेष रूप से यूरोप के सबसे बड़े एम्बुलेंस सेवा ऑपरेटरों में से एक एसएसजी के साथ साझेदारी में भारतीय बाजार के लिए विकसित किया गया है। यह सहयोग भारत के आपातकालीन चिकित्सा सेवा (ईएमएस) क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है।

मूवी थिएटरों की ताकत और उसके प्रभाव की बराबरी कर पाना संभव नहीं है

एमआईटी-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी सम्मेलन में अभिनेता रजित कपूर ने परिदृश्य को बदलने वाले ओटीटी के बारे में कहा

■ संजीवनी टुडे

पुणे। मौजूदा दौर में लोग बड़ी संख्या में ओटीटी लेटफार्मो की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिसकी वजह से मूवी थिएटरों की लगातार घटती लोकप्रियता एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, जाने-माने अभिनेता एवं निर्देशक रजित कपूर ने जोर देकर कहा कि टेक्नोलॉजी चाहे जितनी भी प्रगति कर ले, इसके बावजूद मूवी थिएटरों की ताकत और उसके प्रभाव की बराबरी कर पाना संभव नहीं है। ब्योमकेश बक्शी में अपने अभिनय के लिए प्रसिद्ध, रजित कपूर को दर्शकों की भरपूर तारीफ़ पाने वाली फिल्में 'सूरज का सातवां घोड़ा' और 'द मेकिंग ऑफ द महात्मा' में महात्मा गांधी के किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के मीडिया एवं संचार विभाग द्वारा आयोजित मीडिया एवं पत्रकारिता पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएमजे) के छठे संस्करण में अपने विचार व्यक्त किए।

एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ परस्पर-संवाद के सत्र में, अनुभवी अभिनेता ने आज के डिजिटल जमाने में सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्मों के कारण परिस्थितियों में आए बदलाव के बीच मूवी थिएटरों की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''मूवी थिएटर एक ऐसी जगह है, जहाँ आप फिल्म की विषय-वस्तु, उसकी कहानी, और उसके दृश्यों को तल्लीनता से देखने का आनंद लेते हैं, जो आपके दिलो-दिमाग पर छा जाते हैं, आपको अपनी दुनिया का हिस्सा बना लेते हैं, आपको जुड़ाव का एहसास कराते हैं और आपको रोमांचित कर देते हैं। निश्चित तौर पर आपको आईपैड, स्क्रीन मॉनिटर या फोन पर कभी ऐसा अनुभव नहीं मिल सकता है; मुझे लगता है कि हमें इस बात को समझना होगा। मैं भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कंटेंट देखता हूँ, लेकिन इससे परे मैं तो थिएटर जाने और उस कहानी में पूरी तरह से डूब जाने की बात सोच कर ही आनंदित हो जाता हूँ। यह अनुभूति वाकई बेमिसाल है। टेक्नोलॉजी चाहे जितनी भी प्रगति कर ले, इसके बावजूद मूवी थिएटरों की ताकत और उसके प्रभाव की बराबरी कर पाना संभव नहीं है। इस अवसर पर लोकप्रिय अभिनेता एवं निर्देशक ने युवाओं के मन पर सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और इससे जुड़ी चिंताओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि, सोशल मीडिया बड़ी तेजी से हमारी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। उन्होंने माना कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है, और कहा कि अब हमारे लिए अपनी ज़िम्मेदारियों पर विचार करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने आगे कहा, ''मैं भी अपनी बातों और भावनाओं को खुलकर जाहिर करने के विचार का समर्थक हूँ, परंतु हमें ऑनलाइन माध्यमों से जुड़ते समय अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी भी स्वीकार करनी चाहिए। इसका नाता सिर्फ़ अपनी तस्वीरों पर लगाए जाने वाले फ़िल्टरों से नहीं है– हमारे मन में जो फ़िल्टर मौजूद हैं, उनका क्या? अक्सर लोग अपने शब्दों के परिणाम पर विचार किए बिना पोस्ट कर देते हैं। अपनी बातों को खुलकर कहने की आज़ादी काफी मायने रखती है, खासकर तब जब सोशल मीडिया आपके हाथों की कठपुतली बन गई हो। लिहाजा आपको शेयर की जाने वाली हर चीज़ पर अच्छी तरह गौर करना चाहिए, क्योंकि हर क्रिया की एक प्रतिक्रिया होती है। बदकिस्मती से, हम कभी-कभी इस संतुलन को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। आप जैसे युवा ही इस देश की बुनियाद हैं। आपका हर काम, आपकी प्रतिक्रियाएँ और मानसिकता ही हमारे देश के भविष्य को आकार देने वाले हैं। आने वाला कल आप पर निर्भर है, इसलिए ज़रा ध्यान से सोचिए कि आप कैसा भविष्य चाहते हैं और आज जो विकल्प आप चुनते हैं, उसके माध्यम से आप इसे कैसा स्वरूप देना चाहते हैं।'' ''मीडिया और समाजः उभरता परिदृश्य'' की विषय-वस्तु पर आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में पत्रकारिता के भविष्य को आकार देने वाले अवसरों एवं चुनौतियों पर चर्चा के साथ-साथ मीडिया और समाज के बीच विकसित होते संबंधों पर विशेष ध्यान दिया गया।

संस्थान में मीडिया एवं संचार विभाग के एसोसिएट डीन, प्रो. धीरज सिंह के बेहद प्रेरणादायक मुख्य वक्तव्य के साथ इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अपने संबोधन में उन्होंने मुख्य रूप से मीडिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, शांति स्थापना में पत्रकारिता के प्रभाव और डिजिटल सिनेमा के भविष्य के बारे में बात की। संसद टीवी के पूर्व सीईओ रवि कपूर, पुणे यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष सुनीत भावे और मशहूर टेलीविजन प्रोड्यूसर एवं डॉक्युमेंट्री फिल्म-निर्माता सिद्धार्थ काक सहित इस क्षेत्र के कई जाने-माने दिग्गजों ने उद्घाटन कार्यक्रम में अपनी उपस्थित दर्ज की। छात्रों के लिए इस कार्यक्रम का अनुभव बेहद ज्ञानवर्धक था, जिसमें मीडिया के पहलुओं पर गहराई से चर्चा की गई। ''शांतिदूतों की भूमिका में मीडिया एवं पत्रकार'' के विषय पर आयोजित सत्र भी इस आयोजन का अहम हिस्सा था। इसके अलावा, ''कहानी कहने और समझाने की कला'' के विषय पर भी एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारों और संचार क्षेत्र के विशेषज्ञों ने विचारशील चर्चाओं में भाग लिया। एमआईटी-डबल्यूपीयू के उप-कुलपति, प्रो. (डॉ.) आर. एम. चिटनिस ने मीडिया में एआई की लगातार बढ़ती अहमियत को उजागर किया, साथ ही भविष्य में मीडिया को अपना करियर बनाने वालों से गुज़ारिश की, कि वे पत्रकारिता के नैतिक मानकों को बनाए रखते हुए इन तकनीकों को अपनाएँ।

श्री सिद्धार्थ काक ने अपने संबोधन में कंटेंट क्रिएटर्स की ज़िम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा, ''आज के डिजिटल युग में, रचनात्मक और मौलिकता ही कहानी कहने की कला की सबसे बड़ी ताकत है। हमें अपनी कहानियों में हमेशा सच्चाई के लिए प्रयास करना चाहिए और हरेक कंटेंट को पूरी ज़िम्मेदारी के साथ तैयार करना चाहिए।'' एमआईटी-डबल्यूपीयू के कार्यकारी अध्यक्ष, . राहुल वी. कराड ने एक प्रभावशाली संदेश के साथ सम्मेलन का समापन करते हुए कहा, ''मीडिया में समाज के भविष्य को आकार देने का सामर्थ्य है। छात्रों और इस पेशे से जुड़े लोगों के रूप में, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम सच्चाई, पारदर्शिता और समाज की बेहतरी को ध्यान में रखते हुए इस ताकत का ज़िम्मेदारी से उपयोग करें।

सम्पादक की कलम से....
सम्पादकीय

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के लिए रोल मॉडल बन सकता है भारत

भारत चूँकि एनएसजी का सदस्य नहीं है, अतः उसे ईंधन के आपूर्ति की जो सुविधा रहनी चाहिए, वह नहीं रहती है। अगर भारत की यह समस्या हल हो जाये तो भारत, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में शायद पूरी दुनिया में एक मॉडल के रूप में काम कर सकता है। दिनांक 25 सितम्बर 2019 को अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में भारत के प्रधान मंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ने ब्लूमबर्ग को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत की जीवन पद्धति दुनिया के लिए एक बहुत बड़ा उदाहरण है। भारतीय मूल के लोग, सिद्धांततः इस बात को मानने वाले लोग हैं कि पृथ्वी हमारी माता है और हमें उसका शोषण करने का अधिकार नहीं है हमें सिर्फ़ उसके दोहन का ही अधिकार है। भारत मूलतः उस चिंतन से जुड़ा हुआ है, जहाँ आवश्यकता समझ सकते हैं परंतु लालच का कोई स्थान नहीं है। ये मूलभूत तत्व ज्ञान है। दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग नाम की गम्भीर चुनौती को सरकारें और बाक़ी व्यवस्थाओं से ज़्यादा, नागरिकों का व्यवहार ही इन विपरीत परिस्थितियों से दुनिया को बाहर निकाल सकता है इसलिए मानव व्यवहार को हमें प्रकृति के साथ जोड़ कर चलने की आदत बनानी पड़ेगी।

देश में हाल ही में लागू किए गए कई नए कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए माननीय प्रधान मंत्री महोदय ने आगे बताया कि ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभाव को कुछ हद तक कम करने के उद्देश्य से भारत ने पहले तय किया था कि देश में 175 [illegible] नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना की जायेगी। इस लक्ष्य को हासिल करने की ओर भारत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और अभी तक देश में क़रीब क़रीब 120 [illegible] नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना की जा चुकी है। अब भारत ने अपने लिए देश में नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना के लिए एक नया लक्ष्य, अर्थात 450 [illegible] निर्धारित किया है। उक्त लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश ने एक तो कई नीतिगत पहल की हैं, दूसरे, कई तरह के प्रोत्साहन दिए हैं और तीसरे, इसके लिए जो आवश्यक संभावनाएँ हैं उनको बल दिया जा रहा है। भारत के सामने हालाँकि एक चुनौती अभी भी बनी हुई है और वो चुनौती है नाभिकीय ऊर्जा के कमी की। भारत चूँकि एनएसजी का सदस्य नहीं है, अतः उसे ईंधन के आपूर्ति की जो सुविधा रहनी चाहिए, वह नहीं रहती है। अगर भारत की यह समस्या हल हो जाये तो भारत, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में शायद पूरी दुनिया में एक मॉडल के रूप में काम कर सकता है।

लेकिन जलवायु परिवर्तन के साथ, एक दूसरा विषय भी जुड़ा हुआ है, जिसकी गम्भीरता की तरफ़ शायद विश्व में अभी किसी का ध्यान गया नहीं है, और वो विषय है पानी सम्बंधी समस्या का। भारत ने अभी हाल ही में जल जीवन मिशन का एक बहुत बड़ा कार्यक्रम हाथ में लिया है। इसके अंतर्गत देश में वर्षा के जल का संचयन, संरक्षण एवं रीसाइक्लिंग आदि चीजों पर बल देकर देश में एक बहुत बड़ा अभियान चालू कर दिया गया है। देश में आवश्यकता के अनुसार, नदियों को पुनर्जीवित करने एवं नदियों का एक ग्रिड बनाए जाने के बारे में भी विचार किया जा रहा है। इसी प्रकार, देश में सिंगल यूज़ प्लास्टिक को प्रतिबंधित किये जाने की तैयारियाँ की जा रही हैं एवं इसके उपयोग को निरुत्साहित किया जा रहा है। 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी के जन्म उत्सव पर पूरे देश में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग के ख़िलाफ़ एक बहुत बड़ी मुहिम सफलता पूर्वक प्रारम्भ कर दी गई है। यानी, देश जलवायु एवं वातावरण के साथ ही अनेक क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ रहा है। माननीय प्रधान मंत्री ने भारत की विशेषताओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि आज दुनिया में कोई भी देश पृथक रूप से कोई गतिविधि नहीं कर सकता बल्कि आज हम सभी आपस में एक दूसरे पर आश्रित होने के दौर से गुज़र रहे हैं। हमें वैश्विक बैंचमार्किंग के साथ ही चलना होगा। अतः भारत भी आज अपने क़ानून, नियम, व्यवस्थाएँ, दक्षता स्तर, गवर्नेंस आदि को वैश्विक बैंचमार्किंग से जोड़ने का प्रयास कर रहा है ताकि दुनिया के अन्य देशों को सरलता के साथ अपने साथ जोड़ा जा सके एवं इन देशों को भारत में लागू क़ानून पर भी विश्वास हो सके। इसलिए, देश में आज क़ानूनों में जो सुधार करना पड़े वो किये जा रहे हैं। इसी संदर्भ में कई प्रकार की नई पहल भी की जा रही हैं। दूसरे, निवेशकों के लिए निवेश की सुरक्षा एक अहम मुद्दा बनता है। उनको सुरक्षा के साथ उनके निवेश पर पर्याप्त रिटर्न मिलना चाहिए। भारत की दो चीज़ें, देश को दुनिया से अलग करती हैं- एक है डिमॉक्रेसी और दूसरी न्यायिक प्रणाली और वो भी अंग्रेज़ी भाषा में। इसके कारण किसी भी निवेशक के लिए यदि किसी प्रकार के विवाद का कोई कारण बनता है तो उक्त दोनों चीज़ें उसमें भरोसा पैदा करती हैं। अंग्रेज़ी भाषा लागू होने के कारण उसको क़ानूनी व्याख्या की समस्या नहीं होती है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा करलें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको ध्यान में रखें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

कार्टून नहीं कट्टरपंथी सोच व हिंसा इस्लाम के लिए घातक

गत 16 अक्तूबर को फ़्रांस में पेरिस से 35 किलोमीटर दूर कोंफ्लां-सोंत-ओनोरौं नामक एक शहर में सैमुअल पाती नामक इतिहास-भूगोल के एक स्कूली शिक्षक पर घात लगा कर चाकू से हमला कर मार डाला गया और उनका सिर धड़ से अलग कर दिया गया। आरोप है कि शिक्षक सैमुअल पाती ने आठवीं कक्षा के अपने छात्रों को समाजशास्त्र पढ़ाते समय फ़्रांस में विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का महत्व समझाते हुए पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद के उन कार्टूनों का उदाहरण दिया था जो 2015 में फ़्रांस की कार्टून पत्रिका 'चार्ली एब्दो' में प्रकाशित हुए थे। इन्हीं व्यंग्य चित्रों के प्रकाशन के कारण जनवरी 2015 में 'चार्ली एब्दो' पत्रिका के कार्यालय पर हुए हिंसक हमले के दौरान अनेक पत्रकारों व चित्रकारों सहित 17 लोगों की हत्या कर दी गयी थी। गत 16 अक्तूबर को जब शिक्षक सैमुअल पाती ने उन्हीं कार्टून्स का उदाहरण दिया और उससे जोड़कर फ़्रांस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रौशनी डाली। इसके बाद उसी कक्षा की एक मुस्लिम छात्रा के पिता ने सोशल मीडिया में शिक्षक सैमुअल पाती के विरुद्ध निंदा-अभियान छेड़ दिया। इस निंदा अभियान से प्रभावित होकर एक 18 वर्षीय मुस्लिम युवक ने सैमुअल पर उनके घर जाते समय चाक़ू से हमला किया तथा उनका गला रेत कर सिर धड़ से अलग कर दिया। इस हिंसक कुकृत्य की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। यह कारवाई किसी भी रूप में न इंसानी है न इस्लामी। बजाए इसके यह हिंसक कृत्य पूरी तरह से ग़ैर इस्लामी व ग़ैर इंसानी यानी अमानवीय कृत्य है।

इसके पहले भी फ़्रांस में ही जब 2015 में इन्हीं कार्टून्स को प्रकाशित किया गया था तब भी फ़्रांस सहित अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों में प्रदर्शन हुए थे जो कई कई देशों में हिंसक भी हो गए थे। इस बार भी कमोबेश वही सूरतेहाल देखी जा रही है। बांग्लादेश व पाकिस्तान में फ़्रांस विरोधी प्रदर्शन के नाम पर हिंसक भीड़ ने उन धर्मस्थलों व उस समुदाय के लोगों को अकारण ही निशाना बनाया व उन्हें क्षति पहुंचाई जिनका फ़्रांस के कार्टून प्रकाशन प्रकरण से कोई वास्ता ही नहीं है।अनेक मुस्लिम देशों ने फ़्रांस निर्मित सामानों का बहिष्कार करने का भी निर्णय किया। इस विषय पर बहस करने हेतु दो मुख्य बिंदु हैं। सबसे पहला फ़्रांस के क़ानून के मुताबिक़वहां विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मिलने वाली खुली छूट। फ़्रांस सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की पूरी पक्षधर है तथा इसका बचाव करती है। वहां के लोगों को भी इससे कोई फ़र्क़नहीं पड़ता। वहां यदि कोई कार्टूनिस्ट ईसाई समुदाय के आराध्य महापुरुषों पर भी कोई कार्टून या व्यंग्य चित्र बनाता है तो किसी को ऐसी आपत्ति नहीं होती की बात हत्या,प्रदर्शन या गला रेतने तक आ जाए। इस संबंध में एक बात और भी क़ाबिल-ए-ग़ौर है कि स्वयं इस्लाम धर्म में भी मुसलमानों को यह निर्देश दिया गया है कि वे जिस देश में भी रहें उस देश के क़ानून का पालन करना अनिवार्य है। पूरे इस्लामिक इतिहास में किसी भी पैग़ंबर,इमाम,ख़लीफ़ा आदि से जुड़ी कोई एक घटना भी ऐसी नहीं मिलेगी जबकि इस तरह की बातों को लेकर किसी की गर्दन रेत दी गयी हो।

विचार बिन्दु

तनवीर जाफ़री

बहस इसपर होनी चाहिए कि क्या भावनाएं आहत होने पर हिंसक हो जाना यहाँ तक कि इतना हिंसक हो जाना की पूरा देश व दुनिया आपके बर्ताव को देखते हुए आपके धर्म व धार्मिक शिक्षाओं पर ही सवाल उठाने लगे? परन्तु उत्तेजना में आकर गला रेत डालना,शांतिप्रिय भीड़ को तेज़ रफ़्तार ट्रक से रौंद डालना,सामूहिक हत्याओं को अंजाम देना व इनके भयानक वीडीओ शेयर करना,दूसरे धर्मों के धर्मस्थलों पर हमले करना या उनके आराध्य देवी देवताओं या मूर्तियों को तोड़ना,असिहष्णुता का प्रदर्शन करना व ऐसी सोच को बढ़ावा देना आदि किसी भी क़ीमत पर न तो मान्य है।

दुर्भाग्यवश अलक़ाएदा,आईएसआईएस व तालिबान तथा इनसे जुड़े व इनका अनुसरण करने वाले अनेक हिंसक व आतंकी संगठन इस्लाम के नाम का ही इस्तेमाल कर अक्सर कोई न कोई ऐसी दिल दहलाने वाली घटना अंजाम देते रहते हैं जिससे इस्लाम बदनाम होता है। इन्हीं हिंसक वारदातों ने उन अनेकानेक पूर्वाग्रही ग़ैर मुस्लिम लोगों को तथा ऐसे शासकों को हमेशा इस्लाम को जेहादी,हिंसक तथा असहिष्णु बताने का पूरा मौक़ा दिया है। यदि इस्लाम इतना ही असहिष्णु धर्म होता तो हज़रत मुहम्मद उस यहूदी बूढ़ी औरत की बीमारी का हाल चाल जानने के लिए उसकी कुटिया में न जाते जो रोज़ उन्हीं पर कूड़ा करकट फेंका करती थी। इस्लाम में बदला लेने से कहीं ज़्यादा महत्व मुआफ़ी को दिया गया है। परन्तु निश्चित रूप से यह इस्लाम का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि हज़रत मुहम्मद के समय से ही इस्लाम में रूढ़िवादी,कट्टरपंथी,साम्राज्यवादी,इस्लाम को सत्ता से जोड़ने वाली तथा अंधविश्वासी सोच पनपने लगी थी। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के स्वर्गवास के फ़ौरन बाद ही ऐसी ताक़तों ने सिर उठाना शुरू कर दिया। जिसके नतीजे में कभी हज़रत मुहम्मद के दामाद हज़रत अली को मस्जिद में शहीद किया गया,कभी उनकी बेटी फ़ातिमा पर ज़ुल्म ढाए गए। कभी पैग़ंबर-ए-रसूल के नवासे हज़रात इमाम हुसैन व उनके परिवार को कर्बला में शहीद किया गया। ऐसा ज़ुल्म ढाने वाले सभी लोग न ईसाई थे न यहूदी न ही हिन्दू बल्कि यह सभी स्वयं को मुसलमान कहने वाले अल्लाहो अकबर का नारा बुलंद करने वाले और हज़रत मुहम्मद की उम्मत बताने वाले मुस्लमान ही तो थे?

उपरोक्त घटनाएं क्या ईश निंदा की श्रेणी से कम या हल्की हैं? जब मुसलमान शासक व तत्कालीन मुसलमान सत्ताधारी ही पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के परिवार पर अत्याचार कर रहे थे उस समय यदि मुहम्मद के घराने वालों के पक्ष में मुस्लिम समाज इसी तरह सड़कों पर उतरा होता तो यज़ीद जैसे शासकों के पसीने छूट जाते। परन्तु तब वही मुसलमान तमाशाई बने हुए थे जो आज हज़रत मुहम्मद से इतनी मुहब्बत जता रहे हैं जिसके लिए न तो ख़ुद रसूल ने कहा,न उम्मीद रखी न ही इस्लामी थ्योरी व फ़लसफ़ा अथवा इस्लामी दिशा निर्देश इस बात की इजाज़त देते हैं। बेशक इस बात पर तो बहस की जा सकती है और करनी भी चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाएं निर्धारित हों। इस बात पर भी सवाल हो सकता है कि धर्म,धार्मिक मान्यताओं या धार्मिक महापुरुषों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में रखा जाए या इसे उस परिधि से बहार रखा जाए? इसपर भी बहस हो सकती है कि लोगों की धार्मिक भावनाओं के आहत होने का पैमाना क्या हो और क्या न हो। बहस इसपर होनी चाहिए कि क्या भावनाएं आहत होने पर हिंसक हो जाना यहाँ तक कि इतना हिंसक हो जाना की पूरा देश व दुनिया आपके बर्ताव को देखते हुए आपके धर्म व धार्मिक शिक्षाओं पर ही सवाल उठाने लगे? परन्तु उत्तेजना में आकर गला रेत डालना,शांतिप्रिय भीड़ को तेज़ रफ़्तार ट्रक से रौंद डालना,सामूहिक हत्याओं को अंजाम देना व इनके भयानक वीडीओ शेयर करना,दूसरे धर्मों के धर्मस्थलों पर हमले करना या उनके आराध्य देवी देवताओं या मूर्तियों को तोड़ना,असिहष्णुता का प्रदर्शन करना व ऐसी सोच को बढ़ावा देना आदि किसी भी क़ीमत पर न तो मान्य है न समाज इसको स्वीकार कर सकता है। दरअसल इस्लाम के लिए न तो कार्टून घातक हैं न उसकी आलोचना करने वाले व इसके पूर्वाग्रही विरोधी या दुश्मन। बल्कि इस्लाम को कल भी पूर्वाग्रही व कट्टरपंथी सोच वाली हिंसक मानसिकता व प्रवृति रखने वालों से ख़तरा था और आज भी वही ख़तरा बरक़रार है।

भ्रष्ट व्यवस्था का ग्रास बनता आम आदमी

असल में भ्रष्टाचार एक विश्वव्यापी समस्या है। लेकिन भारत में इसने कहर बरपाया है। भ्रष्टाचार की यह आग हर घर को स्वाहा कर रही है। लेकिन यह आग घरों के साथ-साथ बैंकों को स्वाहा करने की ठानी है। नित-नये बैंकिंग घोटाले एक गंभीर समस्या बन गये हैं। बैंकिंग सैक्टर में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी फैल चुकी हैं, इस बात का अंदाजा रिजर्व बैंक के आंकड़ों से चलता है। बैंकिंग तंत्र में अनेक छेद हो चुके हैं। पीएनबी में अरबपति जौहरी नीरव मोदी और मेहुल चैकसी ने 11,300 करोड़ का घोटाला बैंक के ही कुछ अफसरों और कर्मचारियों के साथ मिलकर किया था। ऐसा प्रतीत होता है कि बैंकिंग सैक्टर से जुड़े अधिकांश घोटालों में आला अफसरों से लेकर कर्मचारी तक शामिल रहे हैं। नोटबंदी के दौरान समूचा राष्ट्र बैंक मैनेजरों और कर्मचारियों के खुले भ्रष्टाचार का चश्मदीद बना है। नोटबन्दी को अगर किसी ने पलीता लगाया तो बैंकिंग सैक्टर ने ही लगाया। ऐसा प्रतीत होता है जैसे हमारे देश में हर शाख पर उल्लू नहीं एक घोटालेबाज, एक भ्रष्ट आदमी बैठा है! भ्रष्टाचार के लिए ऐसे-ऐसे नायाब तरीके ढूंढे जाते हैं कि किसी को भनक तक नहीं लगे। बैंकों की घोटालों की मानसिकता एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल बैंकों के प्रति विश्वास को धुंधला दिया है बल्कि बैंकों की कार्यप्रणाली को भी जटिल एवं दूषित कर दिया है। बैंकों के चपरासी से लेकर आला अधिकारी तक बिना रिश्वत के सीधे मुंह बात तक नहीं करते। आम बैंक उपभोक्ता की आज कोई अहमियत नहीं रही, क्योंकि हर बैंक में कोई-न-कोई बड़ा घोटाला आकार ले रहा होता है और सभी उसी में व्यस्त होते हैं। बैंक भ्रष्टाचार से देश की अर्थव्यवस्था और प्रत्येक व्यक्ति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है और आज देश की गिरती अर्थ व्यवस्थ का बड़ा कारण बैंकिंग घोटाले ही है।

पंजाब और महाराष्ट्र सहकारी बैंक घोटाला के सामने आते ही कठोर कार्रवाइयों के साथ-साथ बैंक के पूर्व चेयरमैन वरियाम सिंह एवं बैंक के पूर्व प्रबन्ध निदेशक जॉय थामस को गिरफ्तार कर लिया गया है। क्योंकि बैंक ने रियल एस्टेट की कंपनी एचडीआईएल को नियमों को ताक पर रखकर करोड़ों का ऋण दिया। एचडीआईएल के चेयरमैन राकेश वाधवन और उनके बेटे सारंग वाधवन परिवार ने अपनी सम्पत्ति बना ली क्योंकि बैंक के अधिकारियों और वाधवन परिवार में सांठगांठ थी। अब घोटाले की परतें प्याज के छिलकों की तरह खुल रही हैं, ईडी ने परिवार की 12 महंगी कारें और उनकी 3,500 करोड़ की सम्पत्ति जब्त कर ली है।

वरियाम सिंह ने बैंक के चेयरमैन पद पर रहते एचडीआईएल को 4335 करोड़ का ऋण दिया था। वरियाम सिंह ही कम्पनी और राजनेताओं के बीच सम्पर्क सूत्र का काम करते थे। जब कम्पनी ने बैंक ऋण नहीं लौटाया तो बैंक की हालत खस्ता हो गई। इस घोटाले को छिपाने के लिए बैंक ने फर्जीवाड़े का सहारा लिया और 21 हजार से अधिक खाते खोले गए जिनमें अधिकतम खाते मृतकों के नाम थे। 45 दिनों में खाते सृजित किए गए और डिटेल भी आरबीआई को सौंप दी गई। प्रश्न है कि आरबीआई को ऑडिट के समय क्यों नहीं घोटाला का पता चला? जब घोटाला सामने आया तो लोगों के अपने ही धन को निकालने पर पाबंदियां लगा दीं गई। जब शोर मचा तो पहले दस हजार और फिर 25 हजार रुपए निकलवाने की अनुमति दे दी गई। डूब रहे बैंक के खाताधारक अपना धन मिलेगा या नहीं, इसको लेकर आशंकित हैं। इस तरह एक बार फिर भ्रष्ट सिस्टम के आगे आम आदमी लाचार हो चुका है। क्या आरबीआई लोगों के हितों की रक्षा कर पाएगा? यह सवाल सबके सामने है। जब लोग सड़कों पर आकर छाती पीटते हैं तो राजनीतिक दबाव के चलते सरकारें जांच बैठा देती हैं।

थोड़ी देर के लिए तूफान थम जाता है और समय की आंधी सब कुछ उड़ाकर ले जाती है। घोटालों का नतीजा चाहे जो भी निकला हो, किसी को सजा हुई हो या नहीं, अगर इन घोटालों का भयावह एवं डरावना सच यही है कि हमारी व्यवस्था में छिद्र-ही-छिद्र हैं। नेहरू से मोदी तक की सत्ता-पालकी की यात्रा, लोहिया से राहुल-सोनिया तक का विपक्षी किरदार, पटेल से अमित शाह तक ही गृह स्थिति, हरिदास से हसन अली तक के घोटालों की साईज।

पाठक पोथी

कोमल कलियां जिंदगी में गुंधी है
या ये जिंदगी इन कलियों में
कितनी अनगिनत खुशियां लाई हो
अपनी स्नेहिल निश्चल हंसियों में
श्वेत-श्वेत हीम के कई के फायदे सी
जिंदगी में जिंदगी के साए सी
नव कोपल सी कोमलता, गुलाबी सी रंगत है
भोलेपन, मासूमियत और चंचलता की कमाल संगत है
मधुरता की गहरी छाप, निर्मलता लिए कितनी निष्पाप
सारे शिकवे हर लिप मन में शेष नहीं कोई संताप
सुनी तस्वीरों में अनगिनत रंग भरने वाली खुशियों का बीड़ा उठाए
पीड़ा को हराने वाली निश्चलता की मूरते हैं, भोली-भाली सूरत हैं
तुम्हारे लिए खुशनुमा जिंदगी का हर अल्फाज हो
तुम जिंदगी का वरदान जीने का अंदाज हो
जीवन खुशियों से लबरेज रहे तुम्हारी उम्रदराज हो

नाम ही नहीं, विचारों में भी करना होगा बदलाव

विचार बिन्दु

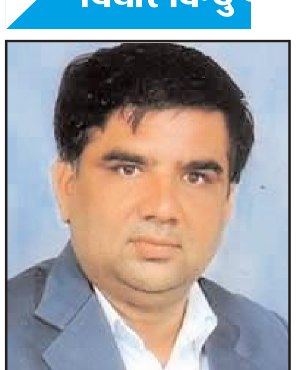

सुशील कुमार 'नवीन'

बॉम्ब को बम कहने से वो विनाश कम थोड़े ही न करेगा। श्रीचन्द ने दोनों हाथ जोड़े और कहा-भाई, गलती हो गई, जो आपसे सलाह मांग ली।

मॉर्निंग वॉक में मेरे साथ अजीब किस्से घटते ही रहते हैं। कोशिश करता हूं कि बचा रहूं पर हालात ही ऐसे बन जाते हैं कि बोले और कहे बिना रहा ही नहीं जाता। सुबह-सुबह हमारे एक दुखियारे पड़ोसी श्रीचन्द जी मिल गए। दुखियारे इसलिए कि ये 'तारक महता का उल्टा चश्मा' के पत्रकार पोपट लाल की तरह है। लाख जतन कर लिए पर विवाह का संजोग नहीं बन रहा। मुझसे बोले-आप हमारे बड़े भाई हैं। एक सलाह लेनी है। मैंने कहा-जरूर, मुझसे आपका कोई काम बने तो यह मेरा सौभाग्य होगा। एक बाबा के विज्ञापन की कटिंग दिखाकर बोले-कल इस बाबा जी के पास गया था। मैंने उनसे सारी कहानी विस्तारपूर्वक सुनाने को कहा तो उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे मैं विज्ञापन में दिए गए पते पर पहुंचा। बाबा जी एक रंगीन लाइटों से जगमगाते कक्ष में सुंदर आसन पर भस्म रमाये बैठे थे। चारों ओर धूप और दीप की सुगंध बरबस उन्हीं की ओर खींच रही थी। कमरे में मेरे प्रवेश करते ही बाबा ने अपने दिव्य चक्षु खोले। मेरी तरफ देखा और हंसकर बोले-श्रीचन्द, सब गड़बड़ी तुम्हारे नाम में है। नाम बदलना पड़ेगा। मैंने भी उत्सुकतावश इस बारे में और जानना चाहा तो बोले-बड़े भोले बनते हो। नाम श्री(लक्ष्मी) चन्द(चन्द्र, सरताज,स्वामी) रखकर 'श्री' का वरण करना चाहते हो। नहीं हो सकता। अनन्ता,अवयुक्ता,अनिरुद्धा,अदित्या, दयानिधि,दानवेन्द्र,देवेश, देवकीनन्दन तुम्हें कभी भी ऐसा नहीं करने देंगे। नाराज है वो तुमसे। मूर्ख बालक। अपने घर की 'श्री' तुम्हें कौन देगा।

बाबा लगातार बोलते जा रहे थे और मैं सुनता जा रहा था। उनके रुकने पर उपाय पूछा तो वो बोले-कृपा चाहते हो तो अपने नाम के आगे से 'श्री' हटा दो। मैंने कहा-नाम से 'श्री' हटाने से तो मजाक बन जायेगा। 'श्री' के बिना तो चन्द की कोई वैल्यू ही नहीं रहेगी। बाबा गुस्सा होकर बोले- तुम तो निरे अज्ञानी हो।'श्री' हटाने से भी तुम्हारे नाम में कोई कमी नहीं आएगी। रूपवान हो तो चन्द के साथ 'रूप' जोड़ रूपचन्द हो जाओ। परमात्मा की मेहर चाहिए तो 'मेहर' जोड़ मेहरचन्द हो जाओ। धार्मिकता रग रग में भरी हो तो 'धर्म' जोड़ धर्मचन्द हो जाओ। दयावान हो तो 'दया के चन्द' दयाचन्द हो जाओ। पूर्णता प्राप्त करनी हो तो पूर्णचन्द बन जाओ। अमरता प्राप्त करनी हो तो अमरचन्द हो जाओ। रोमान्टिक हो तो प्रेमचन्द बन जाओ। सोमप्रिय हो तो सोमचन्द हो जाओ। ज्ञानवान हो तो ज्ञानचन्द बन जाओ। बाबाजी का प्रवचन रुकने का ही नाम नहीं ले रहा था। लास्ट में बोले- एक बार आजमा के देखो। देखना, हफ्ते भर में तुम्हारी बात बन जाएगी। बाबा को प्रणाम कर मैं वहां से लौट आया। श्रीचन्द जी की बात सुन मैंने कहा-देखो,भाई, गुड़ की डली से बाबा राजी होता हो तो क्या बुराई है। नाम बदलने से तुम्हारा भाग्य बदलेगा या नहीं यह मैं नहीं कह सकता। पर नाम क्या, नाम में एक भी वर्ड की बढ़ोतरी और घटोत्तरी सब कुछ बदल सकती है। राम रमा तो मोहन मोहिनी, श्याम श्यामा का रूप धर लेता है तो कृष्ण कृष्णा बन जाता है। ज्ञान अज्ञान बन जाता है तो धर्म अधर्म में बदल जाता है। सत्य असत्य तो नाम अनाम बन जाता है। श्री चन्द बोले- आप भी लग गए बाबा जी जैसे ज्ञान बांटने। सीधे-सीधे समझाओ तो कोई बात बने। मैंने कहा- मेरे भाई। सब आजमा लिया। ये भी आजमा लो। मन तो सन्तुष्ट होगा ही। कुछ मिलेगा तो ठीक अन्यथा जैसे हो वैसे तो रहोगे ही। वो बोले-मतलब। मैंने कहा- नाम के साथ विचारों में भी बदलाव जरूरी है। दुष्ट प्रवृति और नाम सुशील, ख्याल पुराने नाम नवीन, काम राक्षसों के और नाम प्रभुदयाल रखने से थोड़े भलाई पाओगे। मुखौटा छलावे के लिए ही होता है। मुखौटा पहनने का शौक है तो ये भी आजमाकर देख लो। पोपट के साथ चाहे लाल लगाओ चाहे चन्द। रहेगा तो वो पोपट ही। बॉम्ब को बम कहने से वो विनाश कम थोड़े ही न करेगा। श्रीचन्द ने दोनों हाथ जोड़े और कहा-भाई, गलती हो गई, जो आपसे सलाह मांग ली। आपने तो बात को सुलझाने की जगह इसे और उलझा कर छोड़ दिया। मुझे खुद ही इस बारे में कोई निर्णय लेना पड़ेगा। यह कहकर वो वहां से निकल गए। मुझे उनसे इस प्रत्युत्तर की उम्मीद कतई नहीं थी। आप ही बताओ मैंने क्या गलत कहा। जब 'बिल्लू बारबर' फ़िल्म पर विवाद हुआ तो बारबर हटा 'बिल्लू' कर दिया। पद्मावती 'पद्मावत' बन गई। रैम्बो राजकुमार 'आर राजकुमार' बन गया। मेंटल है क्या ने ''जजमेंटल है क्या' का रूप धर लिया। लवरात्रि को 'लवयात्री' तो रामलीला को 'गोलियों की रासलीला-रामलीला' बना दिया। इससे कुछ फर्क पड़ा।

मधुमेह रोगियों को लेना चाहिए योग का सहारा

हैल्थ संवाददाता

भारत में आज लगभग हर घर में आपको कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल ही जाएगा। वैसे तो आमतौर पर लोग इस बीमारी को कोई खास तवज्जो नहीं देते लेकिन एक बार इस बीमारी की जद में आ जाने के बाद इससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही यह एक ऐसी बीमारी है कि जिसके बाद मनुष्य को बहुत सी चीजों से किनारा करना पड़ता है। इतना ही नहीं, कुछ समय पहले तक जहां यह एक उम्र के बाद ही लोगों को अपनी चपेट में लेता था, वहीं गलत खान-पान व जीवनशैली के कारण वर्तमान में कम उम्र के लोग भी इससे पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे में यह बेहद आवश्यक है कि कुछ ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे आपका शुगर कंट्रोल में रहे। मधुमेह को नियंत्रित रखने में योग आपके काफी काम आ सकता है। तो आईए जानते हैं मधुमेह को कंट्रोल करने वाले कुछ योगासनों के बारे में-

पश्चिमोत्तानासन- इस आसन से शरीर का पाचनतंत्र मजबूत होता है और शरीर में रक्त का संचार तेजी से होता है, जिससे व्यक्ति को डायबिटीज से लड़ने में आसानी होती है। यह आसन करने के लिए पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। फिर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और सांस भरते हुए पैरों के तलवे को पकड़ने की कोशिश करें। घुटने से माथा सटना चाहिए। फिर सांस छोड़ते हुए हाथ ऊपर करके सामान्य हो जाएं। इस प्रक्रिया को दो से तीन पर बार दोहराएं।

सर्वांगासन: यह शरीर का संपूर्ण व्यायाम है। इसे करने से थॉयराइड और पैराथॉयराइड ग्रंथियों को मजबूती मिलती है। इसे करने के पहले सीधे लेट जाएं, फिर पैरों को धीरे-धीरे उठाते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। हाथों से कमर को सहारा दें। इस आसन में शरीर का सारा भार गर्दन पर पड़ना चाहिए। पैरों को सीधा रखें।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन: यह आसन यकृत व मूत्राशय को सक्रिय बनाता है। जिन लोगों के शरीर के भीतर इंसुलिन का उत्पादन नहीं होता या जिन्हें मधुमेह की बीमारी होती है, यह अभ्यास उनके शरीर में अग्नाशय को सक्रिय बनाकर इंसुलिन के उत्पादन में सहयोग देता है, इसलिए यह मधुमेह के उपचार के लिए रामबाण दवा है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सामने की ओर दोनों पैरों को फैलाकर बैठ जाएं। अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के बगल में बाहर की ओर रखें। इसके बाद बाएं को दाहिने ओर मोडिए। एडी दाहिने नितम्ब के पास रहें। बाएं हाथ को दाहिने पैर के बाहर की ओर रखते हुए दाहिने पैर के टखने या अंगूठे को पकड़ें। दाहिना हाथ पीछे की ओर कमर में लपेटते हुए शरीर को दाहिनी ओर मोडें। अंतिम अवस्था में पीठ को अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश करें। एक मिनट इस अवस्था में रूकने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब इसी क्रिया को विपरीत दिशा में करें। गर्भावस्था के दौरान व हृद्य रोगियों को यह आसन नहीं करना चाहिए।

प्राणायाम: प्राणायाम मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खासतौर से, भ्रामरी और भ्रस्त्रिका प्रणायाम तो डायबिटिक लोगों को जरूर करना चाहिए। इनके नियमित अभ्यास से स्ट्रेस लेवल कम होता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। अंगूठे से कान बंद करें और ऊपर की तीन उंगलियों को आंखों पर रखें। अब गहरी सांस लेते हुए गले से उच्चारण करें। भस्त्रिका प्रणायाम के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लें और उसे जल्दी-जल्दी छोड़ें। इस प्रक्रिया में मुंह बंद रखें और सांस की सारी प्रक्रिया नाक से ही करें।

सूर्य नमस्कार: अगर आपके पास सभी आसनों को करने का पूरा समय नहीं है तो रोज दो से तीन बार सूर्य नमस्कार अवश्य करें। सिर्फ इस आसन को करने से भी आप काफी हद तक इस रोग को नियंत्रित कर सकेंगे। इससे श्वास, पेट और प्रतिरोधी क्षमता को लाभ पहुंचता है।

इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप योग द्वारा मधुमेह का उपचार कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। सर्वप्रथम हमेशा खाली पेट ही योग क्रिया करें। साथ ही ढीले, हल्के व आरामदायक वस्त्र पहनकर ही योग करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप सभी योगासन करें लेकिन जो भी करें, उसे सही ढंग से करें। साथ ही इसे चंद दिनों की चांदनी न बनाएं बल्कि जीवनपर्यन्त हमेशा करने की आदत डालिए। योगासन के अतिरिक्त अगर संभव हो तो सप्ताह में एक दिन नेती क्रिया या कुंजल क्रिया अवश्य करें। इन क्रियाओं को शुरूआत में किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें।

'पपीते का रस वाकई है डेंगी की कारगर दवा'

डेंगी के मरीजों को पपीते के पत्ते से फायदा होता है या नहीं अभी इस पर सवालिया निशान हैं, लेकिन श्रीलंकाई वैज्ञानिकों की रिसर्च को ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने पब्लिश कर इसके यूज करने के तरीके पर गाइडलाइन जारी की है। जर्नल की इस स्टडी के अनुसार, पपीते के पत्ते से डेंगी के मरीजों में बुखार के पहले दिन से ही फायदा होता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि अभी तक जितनी भी स्टडी हुई है, किसी में इसके साइड इफेक्ट की बात सामने नहीं आई है। लेकिन, अभी तक न तो डब्ल्यूएचओ ने इसे रिकमंड किया है और न ही नैशनल गाइडलाइन में इसे शामिल किया गया है। इस रिसर्च पेपर का हवाला देते हुए गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रत्युष कुमार ने कहा कि पपीते के पत्ते के कई फायदे बताए गए हैं, जैसे- यह डेंगी फीवर के ड्यूरेशन को कम करता है, अस्पताल में मरीज के ठहराव को कम करता है, बॉडी से फ्ल्यूड लीक नहीं होने देता और वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाता है। डॉक्टर ने बताया कि इस स्टडी में यह भी कहा गया है कि बुखार कन्फर्म होने के पहले दिन से ही पपीते के पत्ते का रस दिया जा सकता है। हालांकि, यह रस कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि अभी तक इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है। रिसर्च पेपर में कहा गया है कि अगर किसी को डेंगी पकड़ में आया है तो उसे तुरंत ऐलोपैथिक डॉक्टर से इलाज शुरू कराना चाहिए और पपीते के पत्ते का इस्तेमाल अलग से डेंगी मैनेजमेंट के लिए किया जा सकता है। पत्ते का जूस कभी भी किसी भी स्टेज में दिया जा सकता है। लेकिन, बुखार आने के पहले दिन से देने पर इसका फायदा बहुत ज्यादा होता है। इसमें कहा गया है कि यह जूस एक अडल्ट को 30 एमएल दिन में तीन बार दिया जाना चाहिए और बच्चों को 5 से 10 एमएल दिन में तीन बार दें। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि जूस पीने के बाद एक घूंट पानी पी सकते हैं, ताकि इसका कड़वा टेस्ट खत्म हो जाए।

ऐसे तैयार करें पपीते का जूस

इस गाइडलाइन में जूस बनाने का तरीका भी बताया गया है। इसके मुताबिक सबसे पहले हेल्दी और फ्रेश पपीते के पत्ते को लें। इसे अच्छी तरह से धो लें और चॉप कर दें, इसके बाद 50 ग्राम पत्ते लें, इसमें 50 एमएल पानी (पानी गर्म करके ठंडा कर लें) और 25 ग्राम चीनी मिलाएं। इसे 15 मिनट तक मिक्स करें। मिक्स होने के बाद इसे 30 मिनट तक छोड़ दें, इसके बाद इससे जूस निकाल लें। जूस निकालने के लिए हाथों का ही यूज करें। इसके बाद यह जूस डेंगू मरीज को पिलाएं। एक बार तैयार किए गए जूस को 24 घंटे तक फ्रिज में रख सकते हैं।

दिव्य औषधीय गुणों से भरपूर है करेला

हैल्थ संवाददाता

लेटिन में मोर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर गॉर्ड के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कडुवा होता है इसलिए प्रायः कडुवे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है। एक अच्छी सब्जी होने के साथ-साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूंकि इसका स्वाद बहुत कडुवा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।

बुखार में कारगर है करेला

बढ़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है। यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से रगड़कर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कडुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात सुबह नाश्ते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े-फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस लाभकारी होता है। इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए।

कुष्टरोग में करेला है रामबाण

त्वचीय रोग, कुष्ठ रोग तथा बवासीर में करेले को मिक्सी में पीसकर प्रभावित स्थान पर हल्के-हल्के हाथों से लेप लगाना चाहिए। यह लेप नियमित रूप से रात को सोने से पहले लगाएं। जब तक इच्छित लाभ न हो लेप लगाना जारी रखना चाहिए। करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। यह शरीर में उत्पन्न टॉकसिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अत: यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है।

जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए। इसका सेवन गर्भवती स्त्रियों में दूध की मात्रा भी बढ़ाता है।

करेला में पोषक तत्व

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है। साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइट्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमश: 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

गर्मियों के लिए अच्छा है करेला

नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े-फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पत्तों के रस का लेप थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थित मिं बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है। इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी डकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है।

आयुर्वेद में हैं स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली कई जड़ी बूटियाँ

स्मरण शक्ति का हमारे जीवन में क्या महत्व है इससे हम सभी परिचित हैं। दरअसल स्मरण शक्ति ही हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करती है। अच्छी स्मरण शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होती है। रोजमर्रा के जीवन में भी अनेक कार्य ऐसे होते हैं जो हम अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर ही करते हैं। यदि यही स्मरण शक्ति क्षीण हो जाए तो निश्चय ही हम स्वयं को असहाय स्थिति में पाएंगे। तनाव एक ऐसा कारक है जो स्मरण शक्ति को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राय: तनावग्रस्त व्यक्ति ही तथ्यों को ठीक से याद नहीं रख पाते इसके अतिरिक्त गहरी दिमागी चोट, कोई घातक रोग या किसी शोक में पड़ने के कारण भी स्मरण शक्ति कमजोर पड़ जाती है। नशीले पदार्थों का ज्यादा मात्रा में लगातार सेवन करने से भी स्मरण शक्ति क्षीण होने लगती है। स्मरण शक्ति का प्रभाव उम्र से भी संबंधित होता है किशोरावस्था तथा नौजवानी में स्मरण शक्ति तेज होती है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ स्मरण शक्ति भी घटती जाती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के लिए अच्छी स्मरण शक्ति का खासा महत्व है इसलिए अच्छी स्मरण शक्ति की नींव बचपन से ही डाली जानी चाहिए। यदि बचपन से ही इस बात का ख्याल रखा जाए कि बच्चे की स्मरण शक्ति तेज हो तो आगे चलकर वह कुशाग्र बुद्धि वाला बनता है। आयुर्वेद में अनेक ऐसी जड़ी-बूटियां हैं जिनका प्रयोग स्मरण शक्ति को तेज करने के लिए प्राचीन काल से ही किया जा रहा है। एक से तीन वर्ष तक के बच्चों को ब्राह्मी तथा शंखपुष्पी का शरबत नियमित रूप से देना चाहिए। इनके प्रयोग से बच्चे हृष्ट-पुष्ट तथा कुशाग्र बुद्धि वाले बनते हैं। इसके अतिरिक्त बेल का शरबत भी मस्तिष्क को पुष्ट करता है। ब्राह्मी का शरबत बनाने के लिए 50 ग्राम ब्राह्मी के पत्ते लेकर कैंची से काटकर साफ कर लें। बाद में उसे पीस कर उबालें जब तक कि अधिकांश पानी वाष्पित न हो जाए। जब यह पानी केवल 250 ग्राम रह जाए तो उसमें लगभग 500 ग्राम चीनी डालकर दो तार की चाशनी होने तक पका लें। इसी प्रकार शंखपुष्पी का शरबत भी बनाया जा सकता है। शंखपुष्पी के फूल बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। देखने में ये शंख जैसे लगते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों को इस शरबत की एक चम्मच मात्रा सुबह और इतनी ही मात्रा शाम को दी जा सकती है। इससे बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। आंवले, गाजर तथा सेब के मुरब्बे को एक साथ मिक्सी में पीसकर चटनी बना लें। बाद में इस चटनी में 5-5 ग्राम ब्राह्मी, शंखपुष्पी तथा जटामांसी का चूर्ण मिला लें। लगभग 10 ग्राम छोटी इलायची भी पीस कर इसमें मिला लें। इस चटनी को किसी साफ-सुधरे मर्तबान में संग्रहित कर लें। तीन से आठ वर्ष तक के बच्चों को यह चटनी दिन में तीन बार सुबह, दोपहर तथा शाम को आधी से एक चम्मच दें। इससे बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ती है। आठ से बीस वर्ष तक के बच्चों को एक अवलेह दिया जा सकता है। जिससे स्मरण शक्ति तेज होती है। इस अवलेह को बनाने के लिए कागजी बादाम की गिरी, अखरोट की गिरी, कच्चे चिलगोजे की 100-100 ग्राम मात्रा तथा 100 ग्राम चारों मगज (खरबूजा, तरबूज, खीरा तथा घीया) को मिलाकर ऑवले का पिसा हुआ मुरब्बा मिला लें। बाद में इस मिश्रण में ब्राह्मी शंख पुष्पी तथा जटांमासी का 10-10 ग्राम चूर्ण तथा छोटी इलायची का 20 ग्राम चूर्ण मिला ले। इस अवलेह को साफ मर्तबान में भरकर रखें। इस मिश्रण की एक-एक चम्मच मात्रा सुबह-शाम लें। इसे गुनगुने दूध के साथ भी लिया जा सकता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति तो दुरुस्त रहती है साथ ही यह हृदय, नेत्र तथा दांतों को भी पुष्ट करता है। बच्चों को भोजन के बाद मौसम के अनुसार यदि गाजर, घीया या फूल मखाने की खीर दी जाए तो इससे भी शरीर एवं मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। कमलगट्टे के हलुए का सेवन सभी उम्र के लोग कर सकते हैं। मस्तिष्क के लिए यह अमृत के समान होता है। इसे बनाने के लिए कमलगट्टे के बीज निकालकर उसका छिलका उतार लें। इसका हरा भाग हटा दें। इसे पीसकर शुद्ध घी में गुलाबी होने तक भून लें बाद में इसमें चीनी तथा पिसी इलायची मिला लें। यह हलुआ शरीर को निरोग बनाए रखने में भी मदद देता है।

आर माधवन की फिल्म का पहला लुक जारी...

मुंबई। आर माधवन ने अपनी फिल्म अधिरष्टसाली का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया है। रविवार को माधवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मुजे अपनी अपमिंग फिल्म का पहला लुक शेयर करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। डायरेक्टर मिथरान जवाहर की ये फिल्म मेरे दिल के काफी करीब रही है और इसे करने का यादगार अनुभव रहा है।' माधवन इस फिल्म में लीड रोल में नजर आ रहे हैं। माधवन के साथ मैडोना सेबेस्टियन, राडिका सरथकुमार, और साई धंसिका जैसे बड़े एक्टर अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं।

लाइफ Style

नोरा
लोग पूछते थे बदले में क्या दोगी?

एजेंसी ⏭ मुंबई

एक्ट्रेस और डांसिंग की क्वीन नोरा फतेही ने बॉलीवुड में 10 साल का सफर तय कर लिया है। 2014 में आई फिल्म 'फगली' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली नोरा फतेही ने 10 साल में एक खास मुकाम बनाया है और डांसिंग क्वीन बन गई हैं।

अब तक के करियर में 44 से ज्यादा फिल्में और गाने करने वाली नोरा फतेही ने हाल ही में अपने स्ट्रगलिंग के दिनों को याद किया है। जिसमें नोरा ने बताया कि कैसे लोग उन्हें काम दिलाने का भरोसा देकर फायदा उठाने की फिराक में रहते थे। नोरा ने बताया कि एक फिल्म मेकर ने तो यहां तक कह दिया था कि मैं तुम्हें बॉलीवुड की अगली कैटरीना कैफ बना दूंगा, लेकिन इसके बदले मुझे क्या मिलेगा। नोरा फतेही ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। जिसमें उन्होंने अपने स्ट्रगलिंग के दिनों को याद कर कई कहानियां बताई हैं। नोरा बताती हैं, 'जब मैं कनाडा से मुंबई आई तो केवल 22 साल की थी। अगर आज कोई मेरे पास कुछ काम लेकर आता है तो मैं उससे पूछती हूं कि तुम मुझे क्यों काम ऑफर कर रहे हो। तुम्हें मुझसे क्या चहिए। इस दौर में कोई भी किसी के लिए फ्री में कुछ नहीं करता। लेकिन तब ऐसा नहीं था। स्ट्रगलिंड के दिनों में मैं ये मानती थी कि कोई आया है तो इसे भगवान ने मेरे लिए भेजा है। मैंने अपने करियर के शुरुआत में कई बेवकूफ लोगों को फॉलो किया है। उनमें से कई लोगों ने मुझसे सीधे फेवर मांगा। साथ ही कई लोगों ने यहां तक कहा कि मैं तुम्हें बॉलीवुड की अगली कैटरीना कैफ बना दूंगा।

हॉलीवुड मसाला

प्रेमिका को गूगल पर करते हैं सर्च...

लॉस एंजिलिस। 'स्पाइडर-मैन' फेम टॉम हॉलैंड और उनकी गर्लफ्रेंड के जेंडया के बारे में तो सभी जानते हैं। टॉम को कई मौकों पर जेंडया का विशेष रूप से ख्याल रखते हुए देखा गया है। हाल ही में टॉम ने साझा किया कि जेंडया को कभी-कभी गूगल पर सर्च करते हैं। इसके पीछे कि जो वजह टॉम ने बताई उसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया और उनका दिल पिघल गया। रिपोर्ट के अनुसार टॉम ने साझा किया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड जेंडया को गूगल पर इसलिए सर्च करते हैं, क्योंकि वह पता लगा सकें कि वह ठीक हैं या नहीं।

मैं दो अप्रवासी माता-पिता की बेटी हूं ...

लॉस एंजिलिस। एलन मस्क ने हाल ही में एक ट्रंप फैन अकाउंट के ट्वीट को री-शेयर करते हुए कार्डी बी पर कटाक्ष किया। अकाउंट ने उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए मिल्वौकी रैली में उपस्थिति के दौरान रैपर की एक क्लिप साझा की थी। इस दौरान कार्डी बी टेलीप्राम्पटर के खराब होने की समस्या से जूझती नजर आईं। इसी ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने लिखा, 'एक और कठपुतली जो बिना शब्दों के बात भी नहीं कर सकती।' उन्होंने आगे कहा, 'कमला अभियान में कोई प्रामाणिकता या सच्ची सहानुभूति नहीं है।' वहीं, एलन मस्क का यह ट्वीट देख कार्डी बी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने तुरंत इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'मैं कठपुतली नहीं हूं, एलन। मैं दो अप्रवासी माता-पिता की बेटी हूं।

जान्हवी ने की 'भैया' की तारीफ...

मुंबई। हालिया रिलीज रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म में फैंस को अर्जुन कपूर का अभिनय काफी पसंद आ रहा है। इस फिल्म में वह पहली बार एक खलनायक के किरदार में नजर आए हैं। फिल्म में डेंजर लंका के किरदार में नजर आए अर्जुन को लगातार लोगों से तारीफें मिल रही हैं। इस बीच अब उनकी बहन जान्हवी कपूर ने भी उनकी तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट साझा किया है। जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए प्रतिक्रिया दी। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए इमोजी साझा किया है। इसमें उन्होंने फायर इमोजी का उपयोग किया। बता दें कि फिल्म ने दिवाली में नए रिकॉर्ड बनाए, पहले दिन दुनिया भर में 65 करोड़ रुपये की कमाई की।

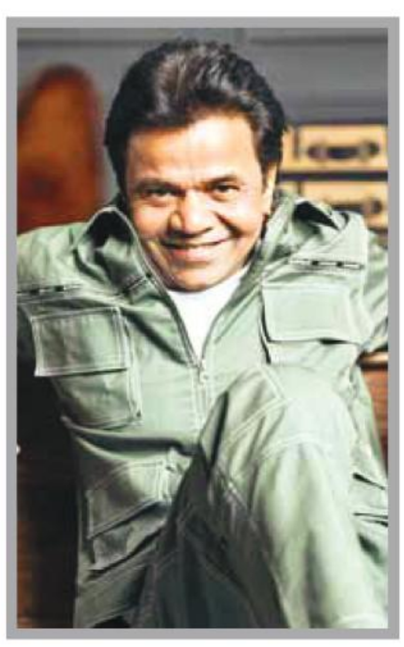

कॉमेडी किंग राजपाल का चढ़ गया पारा

मुंबई। राजपाल यादव ने बॉलीवुड की 200 से ज्यादा फिल्मों में अपनी कला का प्रदर्शन दिखाया है। दमदार एक्टिंग, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और एनर्जी से भरपूर एक्टर ने अपने दम पर कॉमेडी किंग का तमगा हासिल किया है। राजपाल यादव फिल्मों के साथ सोशल मीडिया पर भी फैन्स के लिए अक्सर कॉमेडी करते नजर आते रहते हैं। लेकिन हाल ही में राजपाल यादव से एक सवाल पूछा गया, जिसके बाद उनका पारा चढ़ गया। राजपाल यादव बीते 2 दिनों से एक वीडियो को लेकर चर्चा में रहे हैं। दरअसल राजपाल यादव ने अपने इंस्टाग्राम पर लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पटाखे न जलाने की सलाह दे डाली। लेकिन ये सलाह कुछ लोगों को पसंद नहीं आई और राजपाल को ट्रोल करने लगे।

टीवी मसाला

अपना लिया था इस्लाम, अब धूमधाम से मनाई दीपावली

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना की दीपावली की खुशियां दोगुनी बढ़ गई हैं। चाहत खन्ना ने इस दिवाली नया घर खरीदा है। चाहत ने यहां अपने परिवार और दोस्तों के साथ पहली दीपावली मनाई है।

चाहत ने इसकी तस्वीरें भी अपने फैन्स के साथ शेयर की हैं। नए घर में दिवाली पूजा के बाद तस्वीरें पोस्ट करते हुए चाहत ने भी अपने फैन्स को त्योहार की बधाई दी है। पहली शादी के बाद चाहत खन्ना को मुस्लाम लड़के से प्यार हो गया। प्यार के बाद चाहत ने दूसरी शादी रचाई और हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम अपना लिया। लेकिन दूसरी बार भी उनका रिश्ता नहीं चला और दोनों अलग हो गए। अपने दूसरे पति को छोड़ते ही चाहत ने घर वापसी की और हिंदू धर्म अपना लिया। अब चाहत ने धूमधाम से दीपावली मनाई है। चाहत खन्ना टीवी की दुनिया की बड़ी एक्ट्रेस हैं और सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं। चाहत खन्ना को इंस्टाग्राम पर 5 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। चाहत ने 2 बार शादी की और दोनों बार ही उनका तलाक हो गया। चाहत ने अपने दूसरे पति के लिए हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम तक अपना लिया था। लेकिन दूसरी बार तलाक होने के बाद चाहत खन्ना ने वापस हिंदू धर्म में वापसी कर ली।

जब 'साराभाई वर्सेज साराभाई' के लिए संशय में रहीं रूपाली

मुंबई। 'साराभाई वर्सेज साराभाई' टीवी का सबसे पसंदीदा टीवी शो में से एक रहा है। देवेन भोजानी के इस शो को लोगों से काफी ज्याद प्यार मिला है। इस शो के दो सीजन आ चुके हैं, जिसे इसके लेखन और अभिनेताओं के प्रदर्शन के लिए पसंद किया जाता रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, शो के लेखक आतिश कपाड़िया ने सिटकॉम की कास्टिंग प्रक्रिया को याद किया। उन्होंने बताया कि सबसे मुश्किल कास्टिंग रूपाली गांगुली की थी, क्योंकि अभिनेता मोनिशा की भूमिका निभाने को लेकर संशय में थे। बातचीत में, लेखक और निर्देशक आतिश कपाड़िया ने बताया कि उन्होंने इस शो के लिए पांच कलाकारों को कैसे चुना। लेखक ने बताया कि उन्होंने साराभाई वर्सेज साराभाई के लिए पांच मुख्य अभिनेताओं को कैसे चुना। उन्होंने खुलासा किया कि वह सिटकॉम में सतीश शाह, रत्ना पाठक शाह, सुमीत राघवन, राजेश कुमार और रूपाली गांगुली को चाहते थे। उन्होंने कहा, "ये जो पाँचो किरदार हैं, उनके लिए मैंने, बहुत साफ़ तौर पर बोल दिया था।

तलाक के बाद भी रत्तीभर नहीं घटा प्यार....

मुंबई। आमिर खान इकलौते ऐसे सुपरस्टार हैं जिनके नाम बॉलीवुड इतिहास की सबसे कमाऊ मूवी का रिकॉर्ड दर्ज है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से पहचाने जाने वाले आमिर खान साल में 1 ही फिल्म करते हैं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा देते हैं। हाल ही में आमिर खान की एक्स वाइफ किरण राव ने आमिर खान की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वे क्रिएटिव लोगों में सबसे बेहतरीन इंसान हैं। आमिर खान की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। किरण राव हाल ही में करीना कपूर के पॉडकास्ट शो औरतें क्या चाहती हैं? में पहुंची थीं। यहां किरण राव ने आमिर खान के बारे में खुलकर बात की। किरण राव ने बताया, 'एक बार जब आमिर को कोई चीज पसंद आ जाती है, तो वह पूरी तरह से उसके पीछे लग जाते हैं। वह 100 प्रतिशत इंसान हैं। यदि उसे यह पसंद नहीं है, तो वह वास्तव में ईमानदार है, लेकिन यदि उसे कुछ पसंद है, तो वह वास्तव में इसके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा। वह सचमुच उन शानदार लोगों में से एक हैं जिनके साथ आप एक रचनात्मक व्यक्ति के रूप में काम कर सकते हैं।'

लगातार 11 फ्लॉप के बाद बना विलेन, फिल्म सुपरहिट

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर लंबे समय से बॉक्स ऑफिस पर स्ट्रगल कर रहे थे। लगातार 11 से ज्यादा फ्लॉप फिल्में देने के बाद अर्जुन कपूर के करियर पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। तभी उनके हाथ एक नेगेटिव किरदार लग गया और खलनायकी का ये फॉर्मूला एक बार फिर से काम कर गया। अर्जुन कपूर की खलनायकी उनके करियर के लिए खुशखबरी लेकर आई है। अब विलेन बनते ही अर्जुन कपूर की फिल्म हिट हो गई है। अर्जुन कपूर ने 2012 में फिल्म 'इशकजादे' से अपने करियर की शुरुआत की थी। डेब्यू फिल्म तो हिट रही लेकिन उसके बाद काफी फ्लॉप्स का सामना करना पड़ा। डेब्यू के बाद उनकी दूसरी फिल्म 'औरंगजेब' 2013 में रिलीज हुई और फ्लॉप हो गई। इसके बाद गुंडे सेमी हिट रही और टू स्टेट्स सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद फाइंडिंग फैनी, तेवर जैसी फिल्में बुरी तरह पिट गईं। 2016 में आई फिल्म की एंड का सेमी हिट रही थी। इसके बाद से अर्जुन कपूर की लगातार 11 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरीं। अब अर्जुन कपूर ने सिंघम अगेन में विलेन का किरदार निभाया है। विलेन बनते ही अर्जुन कपूर की फिल्म भी हिट होने की ओर बढ़ रहा है।

सितारों ने अभिनय और काबिलियत के दम पर पाया यह मुकाम

मायानगरी में छाए ये गांव की मिट्टी के अनमोल रत्न

मुंबई। मनोरंजन की चकाचौंध दुनिया सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। ग्लैमर वर्ल्ड को देख ज्यादातर लोग अपने सपने को साकार करने मायानगरी मुंबई पहुंचते हैं। अपनी काबिलियत और हुनर के दम पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान और जगह बनाने के लिए वे लोग जद्दोजहद करते हैं। उनमें से कुछ की मेहनत रंग लाती है और किस्मत साथ देती है तो वे फिल्म इंडस्ट्री में अपना अलग मुकाम हासिल कर लेते हैं। बॉलीवुड में राज करने वाले कुछ सितारे ऐसे ही हैं, जो छोटे शहरों और कस्बे से निकलकर मुंबई पहुंचे। अपने दमदार अभिनय के दम पर वह आज करोड़ो लोगों के दिलों पर राज करते हैं। चलिए जानते हैं उन सितारों के बारे में, जो गांव की मिट्टी से निकलकर बॉलीवुड में छाए...

पंकज त्रिपाठी : इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है पंकज त्रिपाठी का। 'मिर्जापुर के कालीन भईया' की तो दुनिया दीवानी है। बिहार के गोपालगंज जिला के बेलसंड गांव से आने वाले पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड में लंबे वक्त से काम कर रहे हैं। हालांकि, फिल्मी दुनिया की चमक-धमक भी पंकज त्रिपाठी को बदल नहीं पाई है और यही उनकी खासियत है। पंकज त्रिपाठी का देसी अंदाज दर्शकों को खूब भाता है।

मनोज बाजपेयी : इस लिस्ट में अगला नाम आता है मनोज बाजपेयी का। बॉलीवुड के प्रतिभाशाली अभिनेता की लिस्ट में मनोज का नाम जरूर शामिल किया जाता है। बिहार के छोटे से गांव बेलवा के रहने वाले मनोज की एक्टिंग की कायल पूरी दुनिया है, लेकिन उन्होंने यह कामयाबी रातों रात नहीं मिली। इस कामयाबी के लिए उन्होंने कई साल तक काफी संघर्ष किया है।

कंगना रनौत : बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। कंगना हिमाचल प्रदेश के छोटे से टाउन भांबला की रहने वाली हैं। फिल्मों में काम करने के लिए उन्होंने पहले अपने परिवार वालों से संघर्ष किया और बाद में फिल्म इंडस्ट्री में भी उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि, आज कंगना ने मेहनत के दम पर बॉलीवुड में राज कर रही हैं और वह तीन नेशनल अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं।

जयदीप अहलावत : जयदीप अहलावत भी छोटे से गांव से ही ताल्लुक रखते हैं। उनका गांव भले ही छोटा हो, लेकिन अभिनय के मामले में जयदीप का कद बहुत बड़ा है। 'पाताल लोक' में काम करने के बाद जयदीप की फैन फॉलोइंग में जबर्दस्त इजाफा हो चुका है। हालांकि, इस कामयाबी को पाने के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया है।

विद्या बालन : विद्या बालन का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। विद्या उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो अपने दम पर किसी फिल्म को हिट करवा सकती हैं। उन्होंने बहुत सी हिट फिल्मों में काम कर सबका दिल जीता है। विद्या बालन केरल के पलक्कड़ जिले के पुथुर नाम के गांव में जन्मी थीं। वहां से बॉलीवुड तक विद्या बालन ने अपने दम पर ही पहचान बनाई है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी : नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी इस लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए हैं। नवाजुद्दीन बॉलीवुड के उन कलाकारों में से एक हैं, जिनकी एक्टिंग का लोहा बड़े-बड़े सितारे मानते हैं। सलमान से लेकर शाहरुख और आमिर तक उनकी प्रतिभा की सराहना कर चुके हैं। नवाज भी उत्तर प्रदेश के छोटे से कस्बे से ताल्लुक रखते हैं। नवाज ने बॉलीवुड में यह मुकाम हासिल करने के लिए बहुत लंबा संघर्ष किया है। गुजारा करने के लिए वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी कर चुके हैं।

संजय मिश्रा : बॉलीवुड अभिनेता संजय मिश्रा का जन्म बिहार के दरभंगा के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रतिभा और दृढ संकल्प के दम पर खुद को एक बेहतरीन एक्टर के रूप में स्थापित किया है। फिल्म इंडस्ट्री में उनका भी कोई जानकार नहीं था।

रणदीप हुड्डा : रणदीप हुड्डा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। रणदीप हुड्डा का जन्म हरियाणा के रोहतक में हुआ था। डॉक्टर परिवार में जन्में रणदीप हुड्डा बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई मेलबर्न यूनिवर्सिटी से कर चुके हैं।

मारुति को नवंबर में भी बिक्री की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद

नवंबर में कुछ लाख शादियों के बूते वृद्धि की रफ्तार कायम रहेगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रिकॉर्ड बिक्री वाले अक्टूबर माह के पीछे छूटने के बाद अब देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) नवंबर में 'कुछ लाख शादियों' के बूते अपनी वृद्धि की रफ्तार को कायम रखने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है।

कंपनी ने पिछले महीने 2,02,402 वाहनों की खुदरा बिक्री दर्ज की, जो किसी भी साल में अक्टूबर में बिक्री का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसकी वजह त्योहारी मांग रही। इससे पहले अक्टूबर, 2020 में कंपनी ने 1,91,476 वाहन बेचे थे।

नवंबर में 10 से 12 दिनों तक शादियां

वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या कंपनी अगले कुछ माह के दौरान त्योहारी सीजन की बिक्री की रफ्तार को कायम रख पाएगी। उन्होंने कहा, "हमें वास्तव में देखना होगा। लेकिन हमें लगता है कि इस बार नवंबर के महीने में काफी संख्या में शादियां हैं। शादियों के लिए दिनों की संख्या लगभग 11 या 12 दिन है जो अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।"

नेटवर्क स्टॉक में 40 हजार से अधिक इकाइयों की कमी

इस साल की शुरुआत में हमने चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। मेरा मानना है कि हमारी वृद्धि इसी के अनुरूप रहेगी। बनर्जी ने कहा कि अक्टूबर में अच्छी बिक्री की वजह से कंपनी अपने बिक्री नेटवर्क में भंडारण के स्तर को कम करने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि हमने अपने नेटवर्क स्टॉक में 40,000 से अधिक इकाइयों की कमी की है।

खुदरा बिक्री अच्छी रहने की उम्मीद

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा, हमें बताया गया है कि देशभर में नवंबर में 'कुछ लाख' शादियां होने वाली हैं। इसलिए पूरी उम्मीद है कि इससे हमें अपनी खुदरा बिक्री के मामले में भी अच्छी बढ़त मिलेगी।

त्योहारी सीजन के दौरान अच्छी बिक्री के बाद मारुति को चालू वित्त वर्ष में चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि के अपने अनुमान के हासिल होने की उम्मीद है। बनर्जी ने कहा, अप्रैल से अक्टूबर की अवधि में खुदरा बिक्री के मामले में हमारी वृद्धि लगभग चार प्रतिशत रही है। अक्टूबर में हमारी वृद्धि 22.4 प्रतिशत है।

खबर संक्षेप

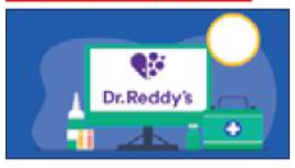

रेड्डी ने अमेरिका से जेनेरिक दवा की बोतलें वापस मंगाई

नई दिल्ली। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने विनिर्माण संबंधी कमियों के कारण अमेरिकी बाजार में जेनेरिक दवा की 3.3 लाख से अधिक बोतलें वापस मंगाई हैं। ये दवा रक्त में उच्च कैल्शियम स्तर और हाइपरपैराथायरायडिज्म के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, डॉ रेड्डीज अमेरिकी बाजार में सीजीएमपी (मौजूदा अच्छी विनिर्माण प्रथा)से विचलन के कारण सिनाकैल्सेट गोलियों की 3,31,590 बोतलें ापस मंगा रही है।

बुलेट ट्रेन गलियारे के लिए 12 नदी पुलों का निर्माण पूरा

अहमदाबाद। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारे के लिए गुजरात में कुल 20 नदी पुल में से 12 का निर्माण पूरा हो गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा कुल 508 किलोमीटर लंबा है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा कि गुजरात के नवसारी जिले में खरेरा नदी पर 120 मीटर लंबा पुल हाल में पूरा हुआ। इसके साथ ही 12 पुल का निर्माण पूरा हो गया है।

सेबी ने इरोज के सुनील लूला पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मानदंडों

के उल्लंघन से जुड़े एक मामले में इरोज इंटरनेशनल मीडिया के प्रवर्तक और पूर्व प्रबंध निदेशक सुनील अर्जन लूला पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इससे पहले सेबी ने जून, 2023 में एक अंतरिम आदेश में धन की हेराफेरी की आशंका में इरोज इंटरनेशनल, लूला सहित पांच पक्षों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। बाजार नियामक ने पाया कि सुनील लूला सेबी के निर्देशों का पालन करने में विफल रहे और उन्होंने इरोज इंटरनेशनल मीडिया के निदेशक पद से इस्तीफा नहीं दिया।

यथार्थ हास्पिटल फरीदाबाद के हास्पिटल में हिस्सा खरीदेगी

नई दिल्ली। यथार्थ हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज 152 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर फरीदाबाद स्थित एक अस्पताल में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदगी। यथार्थ अस्पताल ने कहा कि उसके निदेशक मंडल इसकी मंजूरी दे दी है। फरीदाबाद स्थित इस अस्पताल का अभी परिचालन शुरू नहीं हुआ है। उसके निदेशक मंडल ने एमजीएस इन्फोटेक रिसर्च एंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और उसके शेयरधारकों के साथ 60 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक समझौते को मंजूरी दे दी है।

टॉरेंट फार्मा की प्रवर्तक कंपनी ने 2.9 फीसदी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। दवा कंपनी टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स की प्रवर्तक टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिये कंपनी में 2.9 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,086 करोड़ रुपये में बेच दी। बीएसई पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स में कुल 99.44 लाख शेयर यानी 2.94 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची। यह लेनदेन 3,103.07-3,104.40 रुपये प्रति शेयर के भाव पर हुआ।

ऊंची उत्पादन लागत और खाद्य मुद्रास्फीति है प्रमुख वजह

शहर में मांग घटने से एफएमसीजी कंपनियों के 'मार्जिन' में गिरावट, बढ़ा सकती हैं दाम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनियों के मार्जिन में सितंबर तिमाही में ऊंची उत्पादन लागत तथा खाद्य मुद्रास्फीति की वजह से गिरावट आई है। इससे अंततः शहरी क्षेत्रों में खपत प्रभावित हुई है। एफएमसीजी कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सामान मसलन पाम तेल, कॉफी और कोको के दाम बढ़ गए हैं।

ऐसे में अब कुछ एफएमसीजी कंपनियों ने कीमतें बढ़ाने का संकेत दिया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), मैरिको, आईटीसी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने शहरी खपत में कमी पर चिंता जताई है।

शहरी खपत की हिस्सेदारी 65-68 फीसदी रहती है

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, एफएमसीजी क्षेत्र की कुल बिक्री में शहरी खपत की हिस्सेदारी 65-68 प्रतिशत रहती है। जीसीपीएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुधीर सीतापति ने दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के मौके पर कहा, "हमें लगता है कि यह एक अल्पकालिक झटका है और हम विवेकपूर्ण मूल्य वृद्धि और लागत को स्थिर करके मार्जिन को ठीक कर लेंगे।

फल, सब्जियों व तेल की कीमतों में तेज उछाल

खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि के बारे में नारायणन ने कहा कि फल और सब्जियों तथा तेल की कीमतों में 'तेज उछाल' आया है। उन्होंने कहा, "अगर कंपनियों के लिए कच्चे माल की लागत का प्रबंधन मुश्किल हो जाएगा तो इससे कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। जहां तक कॉफी और कोको की कीमतों का सवाल है, हम खुद एक मुश्किल स्थिति का सामना कर रहे हैं।"

जीसीपीएल का तिमाही प्रदर्शन स्थिर रहा

सिंथोल, गोदरेज नंबर-वन, हिट जैसे उत्पाद बेचने वाली जीसीपीएल ने भारत में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और उपभोक्ता मांग में कमी के बावजूद एक स्थिर तिमाही प्रदर्शन किया है। खास बात यह है कि ग्रामीण बाजार, जो पहले पीछे थे, ने शहरी बाजारों की तुलना में अपनी वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है।

- इस्तेमाल में होने वाले सामान पाम तेल, कॉफी और कोको के दाम बढ़ गए
- कुछ एफएमसीजी कंपनियों ने दाम बढ़ाने के दिए संकेत
- यूनीलीवर, गोदरेज व टीसीपीएल ने शहरी खपत में कमी पर जताई चिंता

कंपनियों की परिचालन आय 5.46 फीसदी घटी

इस दौरान कंपनी की परिचालन आय 5.46 प्रतिशत घटकर 3,028.59 करोड़ रुपये रही है। हाल ही में, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने भी एफएमसीजी क्षेत्र में गिरावट पर चिंता जताई और कहा कि 'मध्यम खंड' दबाव में है क्योंकि उच्च खाद्य मुद्रास्फीति ने घरेलू बजट को प्रभावित किया है।

नेस्ले की बिक्री वृद्धि मामूली रही

नेस्ले इंडिया के पास मैगी, किट कैट और नेस्कैफे जैसे ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी की बिक्री वृद्धि मामूली 1.2 प्रतिशत रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुनील डिसूजा ने भी कहा कि शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च प्रभावित हुआ है।

एचयूएल के लाभ में गिरावट

एचयूएल के पास सर्फ, रिन, लक्स, पॉन्ड्स, लाइफबॉय, लक्मे, बुक बॉन्ड, लिप्टन और हॉर्लिक्स जैसे ब्रांड का स्वामित्व है। सितंबर तिमाही में एचयूएल के एकीकृत शुद्ध लाभ में 2.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, मैरिको ने भी मांग में सालाना आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में शहरी क्षेत्र की तुलना में दोगुना वृद्धि दर्ज की है।

केनरा बैंक दूसरी छमाही में 6000 करोड़ रुपए का डूबा कर्ज वसूलेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- तीसरी तिमाही में 3000 करोड़ रुपए वसूली की उम्मीद
- बैंक ने दूसरी तिमाही में 2905 करोड़ रुपए वसूल किए

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में करीब 6,000 करोड़ रुपये के 'डूबे कर्ज' की वसूली का लक्ष्य रखा है। केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के सत्यनारायण राजू ने कहा, "हमें तीसरी तिमाही में लगभग 3,000 करोड़ रुपये और चौथी तिमाही में भी इतनी ही राशि की वसूली की उम्मीद है। बैंक ने दूसरी तिमाही में 2,905 करोड़ रुपये की वसूली की है, जिसमें बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली भी शामिल है।

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में आ सकता है। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के आईपीओ के लिए वित्त मंत्रालय से मंजूरी जल्द मिलने की उम्मीद है। बैंक के पास इस म्यूचुअल फंड कंपनी में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसकी आईपीओ के माध्यम से 13 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना है।

बैंक का शुद्ध लाभ 11 फीसदी बढ़ा

चालू वित्त वर्ष के दौरान बैंक द्वारा दीर्घकालिक अवसंरचना बॉन्ड के माध्यम से और अधिक धन जुटाने की संभावना नहीं है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में केनरा बैंक का शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 4,015 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 3,606 करोड़ रुपये था।

भारतीय स्मार्टफोन बाजार में सैमसंग सबसे आगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- रिपोर्ट के अनुसार मूल्य के लिहाज से एप्पल दूसरे स्थान पर
- सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी 22.8 प्रतिशत

दक्षिण कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग 22.8 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय स्मार्टफोन बाजार में मूल्य के हिसाब से सबसे आगे रही है। 2024 की तीसरी तिमाही में सैमसंग ने आईफोन विनिर्माता एप्पल के साथ अंतर को थोड़ा लिया है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च की जारी रिपोर्ट में यह कहा गया है। जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान मूल्य के संदर्भ में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एप्पल, सैमसंग के बाद दूसरे स्थान पर रही। प्रीमियमीकरण की प्रवृत्ति से प्रेरित बाजार तेजी से मूल्य वृद्धि की ओर बढ़ रहा है, जिसे बदले में आक्रामक ईएमआई (मासिक किस्त) ऑफर और ट्रेड-इन से समर्थन मिलता है। सैमसंग वर्तमान में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मूल्य के मामले में बाजार में सबसे आगे है। ब्रांड अपनी प्रमुख गैलेक्सी एस श्रृंखला को प्राथमिकता दे रहा है और अपने मूल्य-संचालित पोर्टफोलियो को बढ़ा रहा है। सिंह ने कहा कि सैमसंग ए सीरीज में अपनी मध्यम स्तर की श्रृंखला और किफायती प्रीमियम मॉडल में गैलेक्सी एआई फीचर्स को भी एकीकृत कर रही है, जिससे उपभोक्ताओं को उच्च मूल्य खंडों में अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य के लिहाज से सैमसंग की हिस्सेदारी सितंबर, 2024 की तिमाही में एक साल पहले के 21.8 प्रतिशत से बढ़कर 22.8 प्रतिशत हो गई, जबकि एप्पल की हिस्सेदारी 21.8 प्रतिशत से मामूली रूप से घटकर 21.6 प्रतिशत रह गई।

मात्रा के लिहाज से शाओमी दूसरे स्थान पर

शाओमी 16.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। ओप्पो और रियलमी की मात्रा हिस्सेदारी साल-दर-साल आधार पर घटकर क्रमशः 13.4 और 11.3 प्रतिशत रह गई।

एलआईसी को जीएसटी विभाग से मिला 65 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का कम भुगतान करने के लिए कर अधिकारियों से लगभग 65 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है। एलआईसी ने कहा कि उसपर इसके अलावा 6.5 करोड़ रुपये का जुर्माना और ब्याज भी है। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे 30 अक्टूबर को झारखंड के लिए माल एवं सेवा कर, ब्याज और जुर्माने के लिए संचार/मांग आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें कहा गया कि इसका कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता है।

अमेरिकी चुनावों के नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- फेड की ब्याज दरें भी बाजार को प्रभावित करेगी
- घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे भी दिशा तय करेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों और घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विशेषज्ञों ने कहा कि यह सप्ताह काफी घटनाक्रमों वाला रहेगा। सप्ताह के दौरान कई वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं, जो बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इसके अलावा वैश्विक रुख से भी बाजार को दिशा मिलेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, यह सप्ताह वैश्विक मोर्चे पर घटनापूर्ण होने वाला है। पांच नवंबर को होने वाला अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर सभी की निगाह है। इसके अलावा अमेरिकी एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक महत्वपूर्ण होगी। मीणा ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर दूसरी तिमाही के नतीजों का अंतिम चरण काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है।

सूचकांक सात फीसदी नीचे आया

पिछले महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की सतत बिकवाली की वजह से प्रमुख सूचकांक अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से सात प्रतिशत से अधिक नीचे आ गए।

पूंजीकरण में भारतीय स्टेट बैंक को सर्वाधिक लाभ...

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,07,366.05 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। बीएसई और एनएसई पर एक नवंबर को नव संवत 2081 की शुरुआत के मौके पर 'मुहूर्त कारोबार' आयोजित किया गया। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 321.83 अंक या 0.40 प्रतिशत के लाभ में रहा। सप्ताह के दौरान जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय

स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण बढ़ा, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इन्फोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई।

मैजिकपिन ने मंच शुल्क घटाकर पांच रुपए प्रति आपूर्ति किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- यह राशि इसके प्रतिस्पर्धियों के शुल्क के मुकाबले आधी

ई-कॉमर्स ऐप मैजिकपिन ने मंच (प्लेटफॉर्म) शुल्क घटाकर पांच रुपये प्रति डिलिवरी (आपूर्ति) कर दिया है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को बताया कि यह राशि इसके प्रतिस्पर्धियों के शुल्क के मुकाबले आधी है।

जोमैटो और स्विगी ने लगभग दो सप्ताह पहले प्रति आपूर्ति प्लेटफॉर्म शुल्क में लगभग 42-67 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। मैजिकपिन के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंशु शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मौजूदा कैलेंडर वर्ष के लिए प्लेटफॉर्म शुल्क में कमी की घोषणा की। शर्मा ने कहा, "हम त्योहारी सत्र के दौरान अपने आपूर्ति 'नायकों' और अपने ग्राहकों की भलाई के लिए एक संतुलन बना सकते हैं। इसलिए, मैजिकपिन का वादा है कि अधिक से अधिक लोग त्योहारी सत्र का आनंद उठा सकें। मैजिकपिन के प्लेटफॉर्म शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती की गई है। यह साल के बाकी हिस्से के लिए केवल पांच रुपये है।

जोमैटो ने शुल्क बढ़ाकर 10 रुपए किए

शीर्ष अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2024 के बाकी समय में खाद्य वितरण पर कोई शुल्क वृद्धि नहीं की जाएगी। जोमैटो ने प्लेटफॉर्म शुल्क सात रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है। यह राशि ग्राहकों से प्रति ऑर्डर आपूर्ति शुल्क के अलावा ली जाएगी। स्विगी ने भी प्लेटफॉर्म शुल्क छह रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है।

इक्रा की जारी रिपोर्ट में सितंबर तिमाही में मार्जिन में गिरावट आई

कीमतें घटने से सीमेंट कंपनियों का मुनाफा प्रभावित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- कीमत कम होने से सीमेंट कंपनियों की प्राप्तियां घटी

देश की प्रमुख सीमेंट कंपनियों के 'मार्जिन' में सितंबर तिमाही में गिरावट आई है। इसकी मुख्य वजह कीमत कम होना है, जिससे सीमेंट कंपनियों की प्राप्तियां घटी हैं। देश की तीन प्रमुख सीमेंट कंपनियों - अल्ट्राटेक सीमेंट, अंबुजा सीमेंट और डालमिया भारत को छोड़कर अन्य मसलन नुवोको विस्टास कॉर्प, जेके सीमेंट, बिड़ला कॉरपोरेशन और हीडलबर्ग सीमेंट सहित अन्य छोटे खिलाड़ियों के मुनाफे और राजस्व में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में गिरावट आई है।

ग्रे सीमेंट की बिक्री में गिरावट आई

जुलाई-सितंबर की अवधि में ग्रे सीमेंट की बिक्री प्राप्ति में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 2.9 प्रतिशत की गिरावट आई। देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी अंबुजा सीमेंट्स की सितंबर तिमाही में बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1.42 करोड़ टन (एमटी) रही।

सालाना आधार पर मार्जिन अधिक रहा

हालांकि, कंपनी की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पूर्व की आय 15 प्रतिशत घटकर 1,074 करोड़ रुपये रही। अदाणी समूह की इस कंपनी का सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर मार्जिन अधिक रहा, जो उच्च क्षमता उपयोग और उत्पादन लागत में कमी के कारण हुआ।

सीमेंट की औसत कीमत 365 रुपए प्रति बैग

इक्रा की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में सीमेंट की कीमतें सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घटकर 330 रुपये प्रति बैग रह गईं। एक साल पहले सीमेंट की औसत कीमतें 365 रुपये प्रति बैग और 2022-23 में 375 रुपये प्रति बैग थीं। अग्रणी सीमेंट निर्माता अल्ट्राटेक ने सितंबर तिमाही में मात्रा के लिहाज से तीन प्रतिशत की वृद्धि के साथ 68 प्रतिशत क्षमता का उपयोग किया है।

मानसून के लंबे समय तक रहने पर सरकारी मांग धीमी

उद्योग विश्लेषकों का कहना है कि अल्ट्राटेक और अंबुजा सीमेंट्स की बिक्री की मात्रा में वृद्धि मुख्य रूप से दोनों कंपनियों द्वारा कई अधिग्रहणों के कारण हुई है, जिससे उद्योग में उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। उद्योग को मानसून के लंबे समय तक रहने, बाढ़ और सरकारी मांग में धीमी वृद्धि जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा, जिससे कुल मिलाकर मांग कमजोर हुई।

उत्पादन लागत काफी हद तक स्थिर

उद्योग के लिए बिजली, ईंधन और अन्य लागत काफी हद तक स्थिर रहीं। जून, 2024 में अखिल भारतीय स्तर पर सीमेंट की औसत कीमत लगभग 348 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बैग थी। सितंबर में यह सालाना आधार पर 11 प्रतिशत घटकर 330 रुपये प्रति बैग रह गई। मासिक आधार पर इसमें दो प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

मांग बढ़ने से तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी और खाद्य तेलों की मांग बढ़ने के कारण देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत बंद हुए। देशी डी-आयल्ड केक (डीओसी) के महंगा होने की वजह से कमजोर निर्यात मांग के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट देखने को मिली। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में बायोडीजल निर्माण में खाद्य तेल-तिलहनों का इस्तेमाल बढ़ने के कारण विदेशों में सीपीओ और सोयाबीन डीगम तेल के दाम निरंतर मजबूत हो रहे हैं।

काशी में निभाई 5244 वर्ष पुरानी परंपरा

8 किमी की शोभायात्रा में महाकाली, महादेव संग निकले भूत-पिशाच

एजेंसी ▶▶ काशी

काशी में 8 किलोमीटर की गोवर्धन पूजा शोभायात्रा। महादेव और महाकाली के तांडव के साथ ही भूत-पिशाचों की टोली। कहीं भालू, कहीं वानर तो कहीं शेरों का स्वरूप धारण किए कलाकार। किसी लाग विमान पर राधा-कृष्ण का रास तो कहीं गोपियों की टोली हर किसी का मन मोह रही थीं। यदुवंशियों ने गोवर्धन पूजा शोभायात्रा की 5244 वर्ष पुरानी परंपरा निभाई। यादव समाज ने लहुराबीर से नमो घाट तक शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में पूर्वांचल के विभिन्न अखाड़ों के पहलवान, लंका, कतुआपुरा के मनरी कलाकार, डमरूवादक, हाथी, घोड़ा, डांडिया नृत्य, भगवान स्वरूप नृत्य, आग वाली जोड़ी, फर्री कलईया आकर्षण का केंद्र रही। गोवर्धन पूजा समिति की ओर से गोवर्धन पूजनोत्सव हुआ।

यादव समाज ने लहुराबीर से नमो घाट तक शोभायात्रा निकाली

इसमें पहलवान, कलाकार, डमरूवादक, हाथी-घोड़ा, डांडिया थे

यादव बंधुओं ने लाठी चलाने का शानदार प्रदर्शन किया। एक-दूसरे पर लाठी से वार की कला दिखाई।

समाज की एकजुटता पर बल दिया

मुख्य अतिथि सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि यादव समाज को शिक्षा में बहुत मेहनत करने की जरूरत है। यादव समाज एकजुट रहेगा तो उत्तरोत्तर उन्नति होती रहेगी।

10 लोगों को गोवर्धनश्री सम्मान दिया गया

अतिथियों ने समाज में उत्कृष्ट कार्य के लिए 10 लोगों को गोवर्धनश्री सम्मान प्रदान किया। इसमें न्याय के क्षेत्र में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. धर्मेंद्र यादव, प्रशासनिक क्षेत्र में राज्य हिंदी संस्थान निदेशक चंदना यादव, शिक्षा में गौरव यादव, चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. विजय यादव, शोध में डॉ.राम भरोस यादव, व्यापार में मून्नू यादव एवं कैलाश यादव, खेल क्षेत्र में पारंपरिक कुश्ती में बच्चे लाल यादव, डॉ. रामसेवक यादव, समाजसेवा में स्वामी रमेशानंद सरस्वती, विधि के क्षेत्र में हरिदास यादव को सम्मान दिया गया।

भगवान शिव की शोभायात्रा में शामिल भूत-पिशाच के साथ लोग सेल्फी लेते भी दिखे। कोई डांस करते दिखा तो कई महादेव के उद्घोष लगा रहे थे।

मां काली सहित अन्य देवी-देवताओं के रूप धारण कर कलाकार शोभायात्रा का प्रमुख हिस्सा बने रहे। इनका आशीर्वाद लेने और आरती उतारने का भी दौर चला।

खबर संक्षेप

कीर्ति नगर इलाके में आग, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। कीर्ति नगर इलाके में रविवार तड़के फर्नीचर गोदाम में आग से दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। दोनों गोदाम के कर्मचारी थे और ऊपरी मंजिल पर स्थित कमरे में रहते थे। इनमें आजमगढ़ निवासी अतुल राय और गया निवासी नंद किशोर दुबे के रूप में हुई है। अतुल गोदाम में मजदूरी करता था और वहीं सोता था। नंद किशोर रिक्शा चलाता था।

डायरेक्टर गुरुप्रसाद ने की आत्महत्या

बेंगलुरु। लोकप्रिय कन्नड़ फिल्म निर्माता गुरुप्रसाद ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। निर्माता ने सीलिंग फैन से लटककर आत्महत्या की। उनका शव उनके कर्नाटक स्थित घर में सड़ी-गली अवस्था में मिला है। फिल्म निर्माता का 52 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें 'एडेलु मंजूनाथ' और 'डायरेक्टर्स स्पेशल' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता था।

योगी को धमकी देने के मामले में महिला अरेस्ट

मुंबई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लिया है। आरोपी महिला का नाम फातिमा खान है। महिला काफ़ी पढ़ी- लिखी है, मगर पुलिस सूत्रों के अनुसा, मानसिक रूप से अस्थिर लग रही है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के वॉट्सएप नंबर पर शनिवार को एक अज्ञात नंबर से एक संदेश आया था।

बच्चे के पेट से निकलीं 56 खतरनाक चीजें

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसमें 13 वर्षीय किशोर के पेट से ऑपरेशन के दौरान 56 ऐसी वस्तुएं बरामद हुईं, जिसे देखकर डॉक्टर्स भी हैरान हैं। बच्चे की सर्जरी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में की गई। डॉक्टरों ने बच्चे के पेट से कुल 56 वस्तुओं को बाहर निकाला। बच्चे की जान नहीं बच सकी।

पटाखे फोड़ रहे युवक को कार ने कुचला, मौत

पिंपरी चिंचवड। दिवाली के मौके पर सड़क पर पटाखे फोड़ रहे एक युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पिंपरी चिंचवड के रावेत में ये घटना हुई है। इस एक्सीडेंट का सीसीटीवी सामने आया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक का पता नहीं लगाया है, जिससे लोगों में काफी नाराजगी है। मृतक का नाम सोहम पटेल था।

केंद्रीय गृह मंत्री ने झारखंड में भाजपा का संकल्प पत्र सार्वजनिक किया

शाह का रण भाजपा के **25 प्रण**

आदिवासियों की जमीन से घुसपैठियों को करेंगे बाहर और लागू करेंगे यूसीसी

झारखंड में चुनाव व्यवस्था में बदलाव लाएंगे, आदिवासियों को दिलवाएंगे हक

एजेंसी ▶▶ रांची

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में धालभूमगढ़ स्थित घाटशिला में एक रैली को संबोधित किया।शाह ने राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार पर जमकर निशाना साधा और आदिवासियों की जमीन घुसपैठियों को देने का आरोप लगाते हुए इसे रोकने के लिए सख्त कानून लाने तक का वादा किया। शाह ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड में, खासकर संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों में आदिवासी आबादी में भारी गिरावट आ रही है। झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन राजनीतिक फायदे के लिए इसे बढ़ावा दे रहा हैं।

'माटी, बेटी और रोटी' पर अब नहीं होगा हमला

शाह ने कहा कि हमारी 'माटी, बेटी, रोटी' पर हमला हो रहा है। भाजपा इसे जारी नहीं रहने देगी। हम आदिवासियों की जमीन को घुसपैठियों को हस्तांतरित होने से रोकने के लिए सख्त कानून लाएंगे। हम उनके द्वारा हड़पी गई जमीन भी वापस ले लेंगे और उन्हें बाहर निकाल देंगे।साह ने रैली के दौरान कहा कि झारखंड में चुनाव व्यवस्था में बदलाव लाने और झामुमो को गरीब आदिवासियों के लिए निर्धारित धन को हड़पने से रोकने के लिए लड़ा जाएगा।

रैली निकाल इंडी गठबंधन पर किया हमला

झामुमो को बताया भ्रष्ट पार्टी

उन्होंने कहा कि 'झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए लड़ा जाएगा ताकि भ्रष्ट झामुमो को गरीब आदिवासियों के लिए निर्धारित धन हड़पने से रोका जा सके।भाजपा अगले पांच वर्षों में झारखंड से पलायन रोक देगी। भाजपा ही राज्य का विकास सुनिश्चित कर सकती है।

5 लाख रोजगार पैदा करेंगे

शाह ने कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आई तो झारखंड में 2.87 लाख सरकारी नौकरियों सहित रोजगार के पांच लाख अवसर पैदा किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में पेपर की सीबीआई और एसआईटी से जांच कराई जाएगी और दोषियों को दंडित किया जाएगा।

महिलाओं को 2,100 रुपए महीने बेरोजगारों को देंगे 2,000 रु. प्रति माह

शाह ने झारखंड में महिलाओं के लिए 'गोगो दीदी योजना' शुरू करने की बात कही है। सरकार बनने पर हर महीने की 11 तारीख को महिलाओं को 2100 रुपए सरकार बनने पर मिलेगा। वहीं दीपावली और रक्षाबंधन पर एक-एक गैस सिलेंडर मुफ्त मिलेगा और 500 में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। भाजपा ने झारखंड में 5 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन करने की बात कही है। वहीं 3 लाख सरकारी पदों पर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से भर्ती करने की बात कही है। बेरोजगार युवाओं को 2000 रुपए हर महीने देंगे। हर गरीब को पक्का मकान भी देंगे।

ओबीसी आरक्षण पर भी किया वादा

शाह ने कहा कि भाजपा झारखंड में अन्य जातियों को प्रभावित किए बिना ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करेगी। उन्होंने झामुमो पर नक्सलियों के समर्थन का आरोप लगाते हुए कहा कि झामुमो ने नक्सलवाद का समर्थन किया, केंद्र की भाजपा सरकार ने इसे समाप्त कर दिया।

शाह का वादा- जनजातीय समुदाय यूसीसी से रहेगा बाहर

ने कहा कि भाजपा झारखंड में सत्ता में आई तो राज्य में यूसीसी लागू की जाएगी, लेकिन जनजातीय समुदायों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा। शाह ने घोषणा की कि राज्य में उद्योगों और खदानों के कारण विस्थापित हुए लोगों का पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए विस्थापन आयोग का गठन किया जाएगा। भाजपा सरकार 'सरना धर्म कोड के मुद्दे पर विचार-विमर्श करेगी और उचित निर्णय लेगी।

सीएम सोरेन ने किया ऐलान

हमारी सरकार आई तो अब हर माह देंगे 7 किलो राशन

भाजपा सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी,रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव का शोर तेज होने लगा है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल जमकर जनता को लुभाने के लिए वादे कर रहे हैं। अब मसीएम हेमंत सोरेन ने एलान किया है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन के सत्ता में आने पर लोगों को हर महीने 7 किलो राशन मिलेगा। सोरेन ने रविवार को वादा करते हुए कहा कि अगर जेएमएम के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में आया तो पेंशन राशि भी बढ़ाई जाएगी।

भाजपा पर लगाए ये आरोप

सोरेन ने आरोप लगाया कि झारखंड में भाजपा शासन के दौरान 11 लाख राशन कार्ड और 3 लाख पेंशन रद्द कर दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप भूख के कारण कई आदिवासी, दलितों की मौत हो गई। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि मुझे गर्व है कि भाजपा के शासन में जहां भूख से मौतें एक आम समस्या बन गई थी, जिससे राज्य के गरीब और वंचित वर्ग को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भोजन, पेंशन और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था, जिससे लोगों की जीवन गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव पड़ा।

अबुआ सरकार ने योजनाओं को लागू किया

उन्होंने कहा कि हर झारखंडी को उनके हक के अनुसार राशन, पेंशन, और पोषण मिल रहा है, जिससे वे अपने परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी कर पा रहे हैं। अबुआ सरकार ने राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया है, जिससे झारखंड के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है और उन्हें एक नई उम्मीद मिली है।'

केंद्र ने कई गलत कदम उठाए

सोरेन बताया कि भाजपा ने अपने शासन में क्या कुछ गलत कदम उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 10 साल में मध्याह्न भोजन और आंगनवाड़ी में बच्चों का बजट आधा किया, केंद्रीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का बजट 40 प्रतिशत कम किया, झारखंड के 40 लाख गरीबों को राशन से वंचित रखा। केंद्र ने मजदूरों के जीवनरेखा मनरेगा को आईसीयू में डाल दिया। वहीं, खाना खाने के लिए आधार अनिवार्य करके गरीबों के पेट पर सीधा वार किया। साथ ही झारखंड की भाजपा राज में 11 लाख राशन और 3 लाख पेंशनों को रद्द किया गया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा

भाजपा ने सुनील को विपक्षी नेता नरेंद्र को उपाध्यक्ष प्रत्याशी बनाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने पैडर नागसेनी के विधायक सुनील शर्मा को विधानमंडल पार्टी का नेता चुना है और वे जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्य करेंगे। पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि सुनील शर्मा की नियुक्ति से भाजपा ने विपक्ष में अपनी स्थिति को मजबूत करने का निर्णय लिया है। सुनील शर्मा, जो एक अनुभवी और प्रभावशाली नेता हैं, को इस अहम भूमिका में देखकर पार्टी ने उन पर विश्वास जताया है कि वे विपक्ष का प्रभावी नेतृत्व करेंगे। पार्टी ने नरेंद्र सिंह को उपाध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार के रूप में चुना है। उनकी नियुक्ति भी पार्टी के लिए अहम है। इन नियुक्तियों के साथ, भाजपा अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। पार्टी नेतृत्व ने इन नेताओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है।

भाई दूज तू ही तो अभिमान है

दक्षिण दिनाजपुर। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास महिलाओं ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ भाई दूज त्योहार मनाया।

आव्हाड ने साधा अजित पर निशाना

अगर तुम मर्द की औलाद थे तो कोई नया निशान ढूंढ लेते, घड़ी क्यों चुराई

पार्टी का नया चिह्न लेने की हिदायत दी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों का प्रचार जारी है। इस बीच एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने एक कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अजित पर निशाना साधते हुए कह दिया कि अगर उनमें हिम्मत थी तो वह अपनी नई पार्टी खड़ी करते। उन्होंने तो अपने चाचा शरद पवार की पार्टी चोरी कर ली। ज आव्हाड ने कहा कि एनसीपी किसकी पार्टी थी, शरद पवार की थी। एनसीपी पॉकेटमारो की टोली है।

आपने पहले 'साहब' को खुश किया अब मुझे खुश करें: अजित

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारामती के लोगों से अपील की कि वे आगामी राज्य चुनावों में उनका समर्थन करें, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में 'साहब' को खुश किया था, वे अपने चाचा शरद का जिक्र कर रहे थे? उन्होंने लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया है। पिछली जुलाई में अजित पवार और कई अन्य एनसीपी नेता राज्य में एकनाथ शिंदे-भाजपा सरकार में शामिल हो गए, जिससे शरद की पार्टी में विभाजन हो गया।

उपचुनावः प्रियंका गांधी ने वायनाड में किया रोड शो

जनता से फिर समर्थन मांगा, भाई के संघर्ष का भी जिक्र किया

भावनात्मक बातों के जरिए लोगों से सहयोग की अपील की

एजेंसी ▶▶ वायनाड

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड में एक रोड शो किया, जहां उन्होंने लोगों से बात करते हुए अपने भाई राहुल गांधी के चुनावी संघर्ष का जिक्र किया। प्रियंका ने कहा कि पांच साल पहले, जब राहुल वायनाड से चुनाव लड़े थे, तब उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

भाजपा और प्रधानमंत्री की ओर से चलाए जा रहे एक कैम्पेन ने राहुल की छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने की कोशिश की थी। वे उनके प्रति आभार व्यक्त करना चाहती हैं क्योंकि जनता ने उस कठिन समय में राहुल का समर्थन किया। प्रियंका ने भावनात्मक बातों के जरिए वायनाड के लोगों से फिर से समर्थन की अपील की।

राहुल की मेहनत को नजरअंदाज न करें

उन्होंने कहा कि आपने जो प्यार और समर्थन उन्हें दिया, उससे उन्हें हिम्मत मिली। जब सबने उनसे मुंह मोड़ लिया था, तब आपने उन्हें परिवार की तरह अपनाया। प्रियंका ने यह भी कहा कि राहुल हमेशा देश के लिए और सच्चाई के लिए लड़ते रहे हैं। इसलिए उनकी मेहनत और संघर्ष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

राहुल ने प्रियंका की तारीफ की

राहुल ने कहा कि आरोपी नलिनी से मिलने के बाद प्रियंका ने मुझसे कहा मुझे उसके लिए बुरा लग रहा है। राहुल ने कहा कि प्रियंका को यही शिक्षा मिली है। यह उस प्रकार की राजनीति है जिसे भारत में करने की आवश्यकता है। भारत में नफरत नहीं बल्कि प्यार की राजनीति करने की आवश्यकता है।

मेरे पिता की हत्या की आरोपी से गले मिली थीं प्रियंका: राहुल

प्रियंका और नेता विपक्ष राहुल ने वायनाड में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी से जुड़े किस्से को शेयर किया। राहुल ने प्रियंका के बचपन की पुरानी यादें शेयर करते हुए कहा कि प्रियंका वही इंसान हैं, जिन्होंने उस लड़की को गले लगाया था जो मेरे पिता की हत्या में फंसी थी।

कोलकाता में दरिंदगी और हत्या का केस

सीबीआई को मेडिकल कॉलेज में मिले साजिश के अहम सबूत

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में महिला डॉक्टर से दरिंदगी की घटना में सीबीआई जांच में कुछ बड़े संकेत मिले हैं। घटना पूर्व नियोजित थी।

सीबीआई के अनुसार जांच में जो तथ्य मिल रहे हैं, उससे प्रतीत हो रहा है किअस्पताल में व्याप्त आर्थिक भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होने के डर से इस वारदात को अंजाम दिया गया था। आर्थिक भ्रष्टाचार के पीछे एक बड़ी साजिश है और इसमें राजनीतिक रूप से प्रभावशाली कई लोगों का हाथ होने का अनुमान है। कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष व टाला थाने के पूर्व ओसी अभिजीत मंडल के मोबाइल फोन की फारेंसिक जांच में सबूतों को मिटाने में उनकी सक्रिय भूमिका के प्रमाण मिले हैं। सीबीआई की ओर से अदालत में जो चार्जशीट जमा की गई है, उसमें सिविक वॉलंटियर संजय राय को ही एकमात्र मुख्य आरोपित बताया गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)